संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 127
पृष्ठ 8
शुक्रवार
24 जनवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– ार्मिक और ऐतिहासिक .... विचार– दोषी को सजा और.... खेल– रणजी ट्रॉफी: रोहित....

नेताजी का जीवन साहस, निष्ठा और निस्वार्थ सेवा की मिसाल : सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर परिवर्तन चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने नेताजी के देश के प्रति योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जीवन साहस, निष्ठा और निस्वार्थ सेवा की मिसाल है। मुख्यमंत्री ने नेताजी के जीवन और व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी। उन्होंने भारतवासियों के दिलों में देशभक्ति की ऐसी अलख जगाई, जिसे भुलाया नहीं जा सकता। उनका नारा 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' आज भी हर भारतवासी के लिए प्रेरणा स्रोत है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज हम नेताजी की पावन जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मना रहे हैं।

नेताजी का नाम हर भारतवासी के लिए गर्व और प्रेरणा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेताजी के योगदान को सम्मानित करते हुए 23 जनवरी को 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया। यह निर्णय नेताजी के प्रति देश की कृतज्ञता का प्रतीक है। सीएम योगी ने कहा कि नेताजी ने अपने जीवन के सबसे प्रतिष्ठित समय में सिविल सेवा की नौकरी को त्याग दिया, क्योंकि वह विदेशी हुकूमत के अधीन कार्य करना नहीं चाहते थे। यह कदम न केवल उनके देशप्रेम का परिचायक था, बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बना। सीएम योगी ने युवाओं को राष्ट्रधर्म का महत्व समझाते हुए कहा कि हर नागरिक को जाति, मजहब, भाषा और क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रधर्म को सर्वोपरि मानना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपने करियर से आगे बढ़कर देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें। नेताजी का हर कदम युवाओं के लिए एक संदेश था। उन्होंने युवाओं से नेताजी के आदर्शों को अपनाने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की अपील की। सीएम योगी ने कहा कि युवा पखवाड़ा मनाने में स्वामी विवेकानंद की पावन जयंती से लेकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पावन जयंती तक यह पूरा कार्यक्रम युवाओं को नई प्रेरणा देता है। इस अवसर पर महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक नीरज बोरा, अमरेश कुमार, विधान परिषद सदस्य इंजी. अवनीश सिंह, रामचंद्र प्रधान, अंगद सिंह, लालजी प्रसाद निर्मल उपस्थित रहे।

कंफर्ट जोन से बचें, श्रेष्ठता, दक्षता पर फोकस करें युवा : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए देश के युवाओं का आह्वान किया कि वे विकसित भारत के निर्माण के लिए आरामतलबी से दूर रह कर श्रेष्ठता, परिश्रम एवं दक्षता पर फोकस करके वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ हासिल करें। श्री मोदी ने नेताजी की जयंती पर ओडिशा के कटक में आयोजित पराक्रम दिवस कार्यक्रम को वीडियो लिंक से संबोधित करते हुए कहा कि आज जब हमारा देश विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में जुटा है, तब नेताजी सुभाष के जीवन से हमें निरंतर प्रेरणा मिलती है। नेताजी के जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य था– आजाद हिंद। उन्होंने अपने संकल्प की सिद्धि के लिए अपने फैसले को एक ही कसौटी पर परखा– आजाद हिंद। प्रधानमंत्री ने कहा, "नेताजी एक समृद्ध परिवार में जन्मे, उन्होंने सिविल सर्विसेस की परीक्षा पास की। वो चाहते तो अंग्रेजी शासन में एक वरिष्ठ अधिकारी बनकर आराम की जिंदगी जीते, लेकिन

उन्होंने आजादी के लिए कष्टों को चुना, चुनौतियों को चुना, देश विदेश में भटकना पसंद किया, नेता जी सुभाष कंफर्ट जोन के बंधन में नहीं बंधे। इसी तरह आज हम सभी को विकसित भारत के निर्माण के लिए अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलना है। हमें खुद को ग्लोबली बेस्ट बनाना है, एक्सीलेंस को चुनना ही है, एफिशिएंसी पर फोकस करना है।" उन्होंने कहा कि नेताजी ने देश की स्वतंत्रता के लिए आजाद हिंद फौज बनाई, इसमें देश के हर क्षेत्र हर वर्ग के वीर और वीरांगनाएं शामिल थीं। सबकी भाषाएं अलग–अलग थीं, लेकिन भावना एक थी देश की आजादी। यही एकजुटता आज विकसित भारत के लिए भी बहुत बड़ी सीख है। तब स्वराज के लिए हमें एक होना था, आज विकसित भारत के लिए हमें एक रहना है। श्री मोदी कहा, "आज देश में विश्व में हर तरफ भारत की प्रगति के लिए अनुकूल माहौल है। दुनिया भारत की ओर देख रही है कि कैसे हम इस 21वीं सदी को भारत की शताब्दी बनाते हैं और ऐसे महत्वपूर्ण कालखंड में हमें नेताजी सुभाष की प्रेरणा से भारत की एकजुटता पर बल देना है। हमें उन लोगों से भी सतर्क रहना है, जो देश को कमजोर करना चाहते हैं, जो देश की एकता को तोड़ना चाहते हैं।" उन्होंने कहा, "नेताजी सुभाष भारत की विरासत पर बहुत गर्व करते थे। वे अक्सर भारत के समृद्ध लोकतांत्रिक इतिहास की चर्चा करते थे और उससे प्रेरणा लेने के लिए समर्थक थे। आज भारत गुलामी की मानसिकता से बाहर निकल रहा है। अपनी विरासत पर गर्व करते हुए विकास कर रहा है। मेरा सौभाग्य है कि आजाद हिंद सरकार के 75 वर्ष पूरे होने पर लाल किले पर मुझे तिरंगा फहराने का मौका मिला था। उस ऐतिहासिक अवसर को मैं कभी भूल नहीं सकता। नेताजी की विरासत से प्रेरणा लेते हुए हमारी सरकार ने 2019 में दिल्ली के लाल किले में नेताजी सुभाष को समर्पित म्यूजियम का निर्माण किया। उसी साल सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार शुरू किए गए। 2021 में सरकार ने निर्णय लिया कि नेताजी की जयंती को अब पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इंडिया गेट के समीप नेताजी की विशाल प्रतिमा लगाना, अंडमान में द्वीप का नाम नेताजी के नाम पर रखना, गणतंत्र दिवस की परेड में आईएनए के जवानों को नमन करना, सरकार की इसी भावना का प्रतीक है।"

केजरीवाल ने पांच साल के भीतर दिल्ली में बेरोजगारी खत्म करने का वादा किया

दिल्ली विधानसभा चुनाव में मतदान के लिए दो सप्ताह से भी कम समय शेष है और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को अगले पांच वर्षों के भीतर राष्ट्रीय राजधानी में बेरोजगारी को खत्म करने का संकल्प जताया। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने एक वीडियो संदेश में रोजगार पर ध्यान केंद्रित करते हुए कहा, ''मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता हमारे युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना होगी। हमारी टीम बेरोजगारी के मुद्दे को हल करने के लिए एक विस्तृत योजना का मसौदा तैयार कर रही है।'' अपनी सरकार के पिछले काम पर प्रकाश डालते हुए केजरीवाल ने दावा किया कि पंजाब में आप सरकार ने दो साल से भी कम समय में 48,000 सरकारी नौकरियां प्रदान कीं और युवाओं के लिए तीन लाख से अधिक निजी क्षेत्र की नौकरियों की सुविधा प्रदान की। उन्होंने कहा, ''हम जानते हैं कि रोजगार कैसे पैदा किया जाता है और हमारे इरादे नेक हैं। लोगों के समर्थन से हम अगले पांच साल में दिल्ली से बेरोजगारी खत्म कर देंगे।'' दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मतदान पांच फरवरी को होना है और नतीजे आठ फरवरी को घोषित किए जाएंगे। आप दिल्ली में लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश में है, लेकिन उसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से कड़ी टक्कर मिल रही है।

डा. भीमराव अंबेडकर के नाम से जाना जायेगा भोपाल का फ्लाई-ओवर, सीएम बोले- बावड़ियां कला में बनेगा बनेगा ब्रिज

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भोपाल के सबसे लंबे ब्रिज जीजी फ्लायओवर का लोकार्पण किया। 153 करोड़ की लागत से बने 2534. मी. लंबे इस ब्रिज को अब डॉ भीमराव अंबेडकर सेतु के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अपने संबोधन में इस बात की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस ब्रिज का एक सिरा सुभाष चंद्र बोस सेतु

से जुड़ता है तो दूसरा सिरा सावरकर सेतु से जुड़ेगा। ऐसे में हम इस ब्रिज का नाम डॉ भीमराव अंबेडकर के नाम पर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना, अतिक्रमण, मेट्रो प्रोजेक्ट जैसी कई मुश्किलों के बावजूद श्रमिकों ने रात–रात भर जागकर इस सेतु का निर्माण किया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस के शासन में भोपाल का कभी विकास नहीं हो पाया। कांग्रेस ने भोपाल के विकास को रोके रखा लेकिन पटवा सरकार में विकास की नई इबारत लिखी गई। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द बैरागढ़ ब्रिज का लोकार्पण किया जाएगा।

राजौरी में रहस्यमयी बीमारी के बाद पूरा गांव कंटेनमेंट जोन घोषित

जम्मू, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के राजौरी जिले के दूरदराज के बधाल गांव को एक नियंत्रण क्षेत्र घोषित किया गया और तीन परिवारों के 17 लोगों की मौत के मद्देनजर सभी सार्वजनिक और निजी समारोहों पर निषेधाज्ञा लागू कर दी गई। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत रोकथाम आदेश लगाए गए हैं। बीएनएसएस की धारा 163 मजिस्ट्रेटों को अत्यावश्यक परिस्थितियों में लिखित आदेश जारी करने की शक्ति देती है। इन आदेशों का उपयोग उपद्रव या खतरों को रोकने या उनका समाधान करने के लिए किया जा सकता है। गांव के एक अन्य व्यक्ति को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को उस रहस्यमय बीमारी का कारण किसी संक्रामक रोगजनक से इनकार किया, जिसने पिछले महीने में जम्मू–कश्मीर के राजौरी जिले में 17 लोगों की जान ले ली है। अधिकारियों ने कहा कि प्रारंभिक जांच संभावित अपराधी के रूप में अज्ञात विषाक्त पदार्थों की ओर इशारा करती है। उन्होंने कहा कि लखनऊ में सीएसआईआर लैब द्वारा की गई प्रारंभिक जांच के अनुसार, यह कोई वायरल या बैक्टीरियल प्रकृति का संक्रमण नहीं है। विषाक्त पदार्थ पाए गए हैं। अब यह किस तरह का जहर है इसकी जांच की जा रही है। मंत्री ने आश्वासन दिया कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और अगर कोई साजिश पाई गई तो उचित कार्रवाई की जाएगी। 7 दिसंबर से 19 जनवरी के बीच राजौरी के सुदूर बधाल गांव में तीन परिवारों के बीच मौतें हुईं, जिससे अधिकारियों को बुधवार को क्षेत्र को एक नियंत्रण क्षेत्र घोषित करना पड़ा। दहशत को रोकने के लिए सार्वजनिक और निजी समारोहों पर भी निषेधाज्ञा लागू की गई है। अधिकारियों ने कहा कि चार और ग्रामीण, मृतक परिवारों के करीबी रिश्तेदार, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं।

राहुल गांधी आज भी नहीं करेंगे दिल्ली में कोई रैली, रद्द हुआ प्रोग्राम

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज भी दिल्ली में प्रचार नहीं करेंगे। पार्टी के दिल्ली प्रमुख देवेंद्र यादव ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी के मुस्तफाबाद में होने वाली मेगा रैली उनके खराब स्वास्थ्य और चिकित्सकीय सलाह के कारण रद्द कर दी गई। यादव ने कहा कि फिलहाल, शुक्रवार को मादीपुर में राहुल गांधी की चुनावी रैली तय समय पर है और उनके एक विशाल सभा को संबोधित करने की संभावना है। इन अटकलों को खारिज करते हुए कि गांधी की रैलियों को रद्द करने का उद्देश्य मुस्लिम मतदाताओं का विभाजन न करके आप की मदद करना था

कन्हैयालाल स्मृति साहित्य सम्मान 2025 (रजि.)

हिंदी साहित्य के क्षेत्र में काव्य संग्रह, कहानी संग्रह, उपन्यास, संस्मरण, नाटक आदि विधाओं पर यह सम्मान प्रदान किया जाता है। इस सम्मान प्राप्त करने के इच्छुक साहित्यकार अपनी कृतियों को 5 प्रतियों में निम्न पते पर 1 फरवरी 2025 तक भेजें। भेजें। 2022, 2023, 2024 तक प्रकाशित रचनाओं को सम्मिलित किया जाएगा। रचनाएं पूर्णतया मौलिक होनी चाहिए।

प्रवीष्टियाँ भेजने की अंतिम तारीख 1 फरवरी 2025 है।

पता–'शहर समता' (दैनिक, साप्ताहिक) राष्ट्रीय समाचार पत्र कार्यालय289/238ए,अनंत भवन, कर्नलगंज थाने के पीछे प्रयागराज 211002

महाकुंभ में अब तक करीब दस करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई पुण्य की डुबकी, मौनी अमावस्या की तैयारी तेज

प्रयागराज। महाकुंभ में दस दिनों में अब तक करीब 10 करोड़ (9.73) करोड़ श्रद्धालु पवित्र संगम में डुबकी लगा चुके हैं। श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। महाकुंभ का स्नान 13 जनवरी पौष पूर्णिमा के साथ शुरू हुआ है। दूसरे स्नान पर्व मकर संक्रांति पर साढ़े तीन करोड़ से अधिक भक्तों ने संगम में डुबकी लगाई थी। 22 जनवरी को करीब तीस लाख भक्तों ने स्नान किया। इसमें 10 लाख कल्पवासियों के अलावा 20 लाख श्रद्धालु शामिल रहे। 22 जनवरी तक नौ करोड़ 73 लाख श्रद्धालु संगम में स्नान कर चुके हैं। मौनी अमावस्या 29 जनवरी को है। यह सबसे बड़ा स्नान पर्व माना जाता है। अमावस्या पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। इस बार मौनी अमावस्या पर करीब 10 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है। महाकुंभ नगर में 29 जनवरी को होने जा रहे मौनी अमावस्या के अमृत स्नान में पुण्य की डुबकी लगाने के लिए 10 करोड़ लोगों के पावन त्रिवेणी के तट पर पहुंचने का अनुमान है। 29 जनवरी को मौनी अमावस्या का अमृत स्नान होगा। मेला प्रशासन के दावे के मुताबिक इस स्नान पर्व में 7 से 10 करोड़ के बीच श्रद्धालुओं और पर्यटकों के महाकुंभ पहुंचने का अनुमान है, जिसे लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। प्रशासन के साथ साथ साधु संतों के शिविरों में भी इस पावन अवसर पर अमृत स्नान के लिए आने वाले भक्तों के लिए व्यवस्था की जा रही है। श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी शैलेशानंद गिरि बताते हैं कि अकेले उनके शिविर में इस पुण्य पर्व पर फ्रांस, इटली, जापान और रूस से पांच हजार से अधिक विदेशी भक्तों के लिए व्यवस्था की जा रही है। पायलट बाबा के ये सभी भक्त 24 जनवरी से पहुंचने लगेंगे। मौनी अमावस्या पर्व पर होने वाली करोड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ के मद्देनजर रेलवे प्रशासन ने कमर कस ली है। प्रयागराज रेलवे मंडल की ओर से हर चार मिनट पर एक ट्रेन चलाने की तैयारी की जा रही है।महाकुंभ 2025 की प्रयागराज में शुरुआत 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ हो गई है। मकर संक्रांति के दिन महाकुंभ के पहले अमृत स्नान पर्व पर उम्मीद से अधिक लगभग 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम में स्नान किया था। अब तक नौ करोड़ से अधिक श्रद्धालु महाकुंभ में स्नान कर चुके हैं। इसी क्रम में महाकुंभ के सबसे बड़े स्नान पर्व मौनी अमावस्या के लिए तैयारियां पूरे जोर पर हैं। प्रयागराज रेल मंडल ने भी मौनी अमावस्या के दिन करोड़ों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए 150 से अधिक मेला स्पेशल ट्रेन चलाने की तैयारी की है। दिव्य–भव्य महाकुंभ 2025 में प्रयागराज आकर संगम स्नान करने वाले श्रद्धालुओं के सभी रिकॉर्ड ध्वस्त हो रहे हैं। मकर संक्रांति के पहले अमृत स्नान के दिन लगभग 3.5 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम स्नान किया, जिनके लिए प्रयागराज रेल मंडल ने 101 मेला स्पेशल ट्रेनें चलाई थीं। अब महाकुंभ के सबसे बड़े अमृत स्नान पर्व मौनी अमावस्या के लिए भी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मेला प्राधिकरण का अनुमान है कि मौनी अमावस्या के दिन 10 करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम स्नान करेंगे। जिनमें से दस से बीस फीसदी श्रद्धालुओं के ट्रेन से आने का अनुमान है। जिनके लिए प्रयागराज रेल मंडल ने कमर कस ली है। ट्रेनों के अवागमन के साथ यात्रियों के ठहरने और सही ट्रेनों तक पहुंचने के लिए कलर कोडिंग के आधार पर टिकट और अतिरिक्त आश्रय स्थलों का प्रबंध कर लिया गया है। मौनी अमावस्या के स्नान पर्व के लिए रेलवे की तैयारियों के बारे में बताते हुए प्रयागराज रेलवे के सीनियर पीआरओ अमित मालवीय ने कहा कि मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज रेलवे 150 से अधिक मेला स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। सबसे अधिक ट्रेनें प्रयागराज जंक्शन से चलेंगी, इसके अलावा मंडल के अन्य स्टेशनों से दिशावार स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इसके अलावा नियमित ट्रेनों का संचालन भी समयानुसार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि किसी स्टेशन से एक दिन में 150 से अधिक स्पेशल ट्रेनों का संचालन करना अपने आप में एक कीर्तिमान होगा। कुंभ 2019 में मौनी अमावस्या के पर्व पर लगभग 85 मेला स्पेशल ट्रेनों का ही संचालन हुआ था। उन्होंने बताया कि प्रयागराज रेलवे से चलने वाली नियमित ट्रेनों और स्पेशल ट्रेनों की संख्या के अनुमान से मौनी अमावस्या के दिन लगभग हर चार मिनट पर एक ट्रेन का होगा संचालन।

अयोध्या जा रहे परिवार की इनोवा कार पेड़ से टकराई, अधेड़ की मौत, पत्नी, बहू समेत पांच घायल

प्रयागराज। अयोध्या दर्शन करने जा रहे एक परिवार की कार रुदापुर गांव के सामने हाईवे पर पेड़ से टकरा गई। हादसे में गृह स्वामी की मौके पर ही मौत हो गई। उसकी पत्नी, बहू, बेटी और पोते घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर कोहराम मचा रहा। सूचना पाकर पुलिस पहुंच गई। घायलों को तत्काल अस्पताल भेजा गया। छतरपुर से अयोध्या जा रही इनोवा कार फाफामऊ क्षेत्र के रुदापुर गांव के सामने खड़ी ट्रक में भिड़ गई। उसमें सवार एक व्यक्ति कालिका प्रसाद गोस्वामी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में उनकी पत्नी उषा गोस्वामी, बहू शिव गोस्वामी, बेटी रोशनी गोस्वामी, पोता पारस गोस्वामी एवं अभिमन्यु घायल हो गए। घायलों को बेली अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक का शव पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कार पर सवार होकर पूरा परिवार अयोध्या दर्शन करने के लिए जा रहा था। फाफामऊ थाना क्षेत्र के रुदापुर गांव के सामने कार असंतुलित होकर पेड़ से टकरा गई। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला गया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई।

इसरो ने जारी कीं महाकुंभ टेंट सिटी संगम की तस्वीरें, वेबसाइट पर भी साझा किया चित्र

प्रयागराज। महाकुंभ नगर (यूपी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बुधवार को महाकुंभ टेंट सिटी की पहले और बाद की सैटेलाइट तस्वीरें जारी कीं। तस्वीरें महाकुंभ की भव्यता की झलक दिखाती हैं। इसमें दुनिया भर से करोड़ों लोग संगम में पवित्र डुबकी लगाने के लिए आ रहे हैं। महाकुंभ, हर 12 साल में आयोजित होने वाला एक बड़ा धार्मिक आयोजन है, जो 13 जनवरी से प्रयागराज में शुरू हुआ और 26 फरवरी (45 दिनों) तक चलेगा। अब तक आठ करोड़ से अधिक तीर्थयात्री संगम में पवित्र डुबकी लगा चुके हैं। इसरो की ओर से जारी बयान में कहा गया कि ईओएस–04 (आरआईसैट–1ए) श्श्सीश्श बैंड माइक्रोवेव उपग्रह से ली गईं तस्वीरों में प्रयागराज संगम और गंगा नदी के जूम किए गए हिस्से को दिखाया गया है। तीन अलग–अलग तिथियों पर ली गई छवियों में इस ऐतिहासिक स्थल के निर्माण को दिखाया गया है। राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनएसआरसी) की वेबसाइट पर त्रिवेणी संगम की तस्वीरें भी साझा की गईं हैं। इसमें अस्थायी पंटून पुल, प्रयागराज में भारत के आकार का शिवालय पार्क का निर्माण भी दिखाया गया है, जो 12 एकड़ भूमि में फैला हुआ है।

कलाकुंभ में हो रहा दुर्लभ 251 वाद्य यंत्रों का संगम, बिनायो बना आकर्षण का केंद्र

प्रयागराज। कुंभ क्षेत्र में अध्यात्म ही नहीं बल्कि वाद्य यंत्रों का भी संगम देखने को मिल रहा है। सेक्टर–7 में बने कलाकुंभ में दुर्लभ 251 वाद्य यंत्रों की प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें पूर्वी

हिमालयी क्षेत्र का सबसे लोकप्रिय बिनायो नाम का वाद्य यंत्र आकर्षण का केंद्र बना है। यह प्रदर्शनी जनजातीय संस्कृति संस्थान, संस्कृति विभाग की तरफ से लगाई गई है। प्रदर्शनी के निदेशक प्रो. ओम प्रकाश भारती ने बताया कि प्रदर्शनी में 251 वाद्य यंत्रों को शामिल किया गया है। इनमें विशेषकर सिक्किम के लुप्त वाद्य नौमती बाजा, गायने सारंगी, लिंबू जनजाति का चौब्रुंग, नेग्रा, डंफू, माडल तथा टुंगना आदि दुर्लभ वाद्यों को प्रदर्शित किया गया है। सिक्किम के अलावा बिहार के रशन चौकी, पूरनी बाजा, तुबकी, ढोल पिपहि, नारदी मृदंग, और संथाली मानर जैसे जनजाति के प्राचीन वाद्य यंत्र प्रदर्शनी में शामिल है। वहीं, केरल का पंचवाद्य, उत्तर प्रदेश की शेहनाई, नगाड़ा, छत्तीसगढ़ से मारिया ढोल, धनकुल, मुंडा बाजा, रमतुल्ला, पश्चिम बंगाल से श्रीखोल, बेना, असम का सरिंडा, बोडो खाम, मणिपुर का पुंग, पेना, झारखंड का धुमसा, ढाक तथा गुजरात की पुंगी बाजा सहित देश के सभी राज्यों के वाद्यों को प्रदर्शनी में रखा गया है। इस प्रदर्शनी की बियानो सबसे छोटा वाद्य यंत्र है। म्युजियम से जुड़े विनोद कुमार बताते हैं कि यह यंत्र पूर्वी हिमालयी क्षेत्र सिक्किम, दार्जिलिंग नेपाल, भूटान का यह लोकप्रिय यंत्र है। इस यंत्र को तर्जनी उंगली से दांतों के बीच में फंसाकर बजाया जाता है।

गंगानाथ झा परिसर में धूमधाम से मनाई गई सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर में आज भारत की स्वतन्त्रता के अमर सेनानी एवं आजादी के महानायक नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती धूमधाम से मनाई गई। परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के भोपाल परिसर एवं वेद व्यास परिसर, बलाहार, हिमाचल प्रदेश के छात्र–छात्राओं के साथ साथ गंगानाथ झा परिसर के छात्र–छात्राओं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने परिसर से अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा तक प्रभात फेरी निकाली। "जयतु संस्कृतम् जयतु भारतम्" एवं "वन्दे मातरम्" के उद्घोष के साथ ये प्रभात फेरी चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा के समीप सुभाष चन्द्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर राष्ट्र भक्ति के संकल्प के साथ सम्पन्न हुई। परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने छात्र–छात्राओं को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती की शुभकामनाएं दीं। भोपाल परिसर एवं वेद व्यास परिसर, बलाहार, हिमाचल प्रदेश के ये सभी छात्र–छात्राएँ महाकुम्भ छात्रसंगम2025 में भाग लेने अपने अपने परिसरों से आये हैं। अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण एवं सुभाष चन्द्र बोस के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के पश्चात प्रभात फेरी में सम्मिलित सभी छात्र–छात्राओं, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का समूह महर्षि भरद्वाज की प्रतिमा के समक्ष सम्पूर्ण माघ मास तक चलने वाले महर्षि भरद्वाज जन्मोत्सव में सम्मिलित हुआ तथा महर्षि भरद्वाज के चरणों में प्रणाम कर पुष्पांजलि अर्पित की। गंगानाथ झा परिसर महर्षि भरद्वाज के जन्मोत्सव के अन्तर्गत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रत्येक परिसरों से आये छात्र–छात्राओं साथ महर्षि भरद्वाज जन्मोत्सव मना रहा है जो सम्पूर्ण माघ मास चलेगा।

कृष्णाश्रय गुरुकुल सेडी ने घोषित किया वार्षिक कार्यक्रम

मथुरा। कृष्णाश्रय गुरुकुल कौशल एवं उद्यमिता विकास संस्थान (सेडी) के प्रधान राम मोहन लवानिया और प्लेसमेंट अधिकारी महेश चंद द्वारा एक महत्वपूर्ण मीडिया कर्मियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कृषणाश्रय गुरुकुल मे होने वाले वार्षिक कार्यक्रम की घोषणा की गई साथ ही संबंधित बिंदुओं और मीडिया कर्मियों के सुझावों पर चर्चा की गई। बैठक मे केंद्र प्रभारी राम मोहन लवानियां, ने कहा हम ब्रज के हर समुदाय को युवा शक्ति विकास के पथ पर हमारा साथ देने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं कि वह हमारे वार्षिक कार्यक्रम में हमारे साथ जुड़ें। कृष्णाश्रय गुरुकुल सेडी निरंतर कौशल विकास के माध्यम से समुदाय को परिवर्तित करने के लिए अग्रसर है। कृष्णाश्रय गुरुकुल सेडी 2016 से युवा वर्ग की समृद्धि के लिए समर्पित है तथा कौशल विकास के माध्यम से समुदाय को सशक्त बनाने के लिए ब्रज के युवाओं के लिए एक आशा की रौशनी है। इस भव्य कार्यक्रम में सभी स्थानीय स्कूल और कॉलेज के छात्र छात्राएं भी भाग लेंगे। सभी स्टाफ सदस्यों ने जन आवाहन किया है की आपका सहयोग और समर्थन इस कार्यक्रम को सफल बनाएगा अतः कृपया अपनी उपस्थिति दर्ज कर कार्यक्रम को यादगार बनाने मे साथ दें।

'महाकुंभ में संस्कार भारती के शोभायात्रा का केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने किया शुभारंभ'

प्रयागराज। भारत के उत्थान में भारतीय वीरांगनाओं का अमूल्य योगदान रहा है उन्ही के उत्सर्ग और समर्पण में संस्कार भारती ने 22 जनवरी 2025 को एक भव्य शोभा यात्रा निकाली जिसको मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने केसरिया झंडा दिखाकर गंगा तट पर रवाना किया। संस्कार भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री अभिजीत गोखले के नतृत्व में भव्य शोभायात्रा गंगा पूजन एवं विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक अनुष्ठान द्वारा पूर्ण हुआ जिसमें देश भर के 16 राज्यों से 300 कलाकारों ने प्रतिभाग किया। हमारा देश महीमसी मीराबाई की 525 वीं जयंती मना रहा है, चंदेल कन्या महारानी दुर्गावती की500 वीं और लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती बहुत ही श्रद्धा से मना रहा है। भव्य में संस्कार भारती के पदाधिकारीयों में अनीता करकरे ,हेमलता देशमोहन, मिथिलेश तिवारी,शोक तिवारी, विजय कुमार देवेंद्र रावत, देवेंद्र त्रिपाठी, गणेश प्रसाद अवस्थी, सुजीत श्रीवास्तव, उदय कुमार दास,दीपक शर्मा,सुशील राय,योगेंद्र मिश्रा, प्रेमलता मिश्रा, विभव मिश्रा, ज्योति मिश्रा, कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, डॉ सचिन सैनी, प्रियंका सिंह,जना त्रिपाठी, रागनी चंद्रा, संदीप कुमार वर्मा तथा 300 कलाकारों ने उत्साह पूर्वक शोभयात्रा में प्रतिभाग किया।

पंडाल मैं इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डॉ सचिन सैनी के संयोजन में युवा कलाकारों द्वारा सैंड आर्ट में बनाई गई अहिल्याबाई होलकर की मूर्ति पर संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रीजी ने पुष्प अर्पित किया और मंच पर दीप प्रज्वलित कर पंडाल के सांस्कृतिक का शुभारंभ किय।

नेता जी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन'

प्रयागराज। सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज में मध्यकालीन इतिहास विभाग द्वारा दिनांक 23।1।2025 को नेता जी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने मंच से नेता जी के जीवन,कार्य और राष्ट्रवाद के संदर्भ में उनके विचारों को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. अर्चना खरे एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. भावना चौहान ने नेता जी के जीवन और उपलब्धियों को विद्यार्थियों के समक्ष रखा। विभाग के संयोजक डॉ. नीरज कुमार सिंह ने कहा कि नेता जी के जीवन, विचार एवं कार्यों से हमें सीख लेकर राष्ट्र के उन्नति में हम सभी को योगदान देना चाहिए।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सूरज सिंह, द्वितीय स्थान सृष्टि सिंह एवं तृतीय स्थान ध्रुव कुमार ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का मंच संचालन अंकित कुमार एवं प्रकाश चंद्र पाल, अतिथियों का स्वागत श्रेया पांडेय एवं चंद्रहास कुमार , धन्यवाद ज्ञापन मीनाक्षी पांडे ने किया । प्रतिभागियों के मूल्यांकन का कार्य अर्जुन एवं प्रियांशु के द्वारा किया गया। विनय कुमार हिंद ने तकनीकी सहायता प्रदान कर कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान दिया । कार्यक्रम में अनेक प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

जगत रूपी चाक पर परमात्मा की कुंभ की रचना अद्‌भुत, संगम वैश्विक एकता का तट

प्रयागराज। महाकुंभ में राष्ट्र संत मोरारी बापू ने मानस का महाकुंभ लगाया है। अरैल में यमुना तट के टीले से वह त्रिवेणी की पावन धारा को निरंतर मथते और अभिभूत होते रहते हैं। इस बार उनके मानस महाकुंभ का केंद्र बिंदु है– सादर मज्जहिं सकल त्रिवेनी...। बृहस्पतिवार को अमर उजाला से विशेष साक्षात्कार में उन्होंने महाकुंभ से जुड़े सवालों पर अपने गहरे अनुभवों को विस्तार से साझा किया। मोरारी बापू से अनूप ओझा की बातचीत के प्रमुख अंश...। प्रश्न : रामकथा में अनूठे प्रयोगों के लिए आप जाने जाते हैं। आप रामकथा को सहज और सरल तरीके से जन–जन तक पहुंचाते, रसपान कराते हैं। महाकुंभ में इस बार की कथा में क्या नया प्रयोग कर रहे हैं? उत्तररू हर कुंभ में हम नौ दिन रामकथा का अनुष्ठान करते हैं। यहां इस बार महाकुंभ लगा है। इतने सालों के बाद ग्रह –नक्षत्र एक साथ अनुकूल हुए हैं। इस महाकुंभ का संदेश है कि व्यक्ति–व्यक्ति, परिवार–परिवार, समाज–समाज, भाषा–भाषा, वर्ण–वर्ण, जाति–जाति, देश– दुनिया सबके बीच में वैचारिक संगम हो। बौद्धिक और हार्दिक संगम हो। हमारे चिंतन का केंद्र बिंदु संगम है। यह महाकुंभ, इतने सालों के बाद हो रहा है। इसलिए इसबार की कथा का नामकरण किया है मानस महाकुंभ। उत्तर। मेरे अनुभव में रामचरित मानस भी एक महाकुंभ है, जो निरंतर अंतर्रस्नान और अवगाहन कराता है। इसका दर्शन, इसका स्पर्श, इसका आचमन, इसका निवज्जन चारों रूपों का रामचरित मानस की पंक्ति में वर्णन आता है। मेरी दृष्टि में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की त्रिवेणी स्थावर संगम और राम चरित मानस जंगम संगम है। दुनियाभर में प्रयागराज घूम रहा है। माघ मकरगत रवि जब होई, तीरथ पतिहिं आउ सब कोई...। देव दनुज किन्नर नर श्रेनी, सादर मज्जहिं सकल त्रिवेणी... इन्हीं दो पंक्तियों के आधार पर संवाद चल रहा है।

चारों दोस्तों का बदल गया था मन, ट्रेन के आगे कूदा अभय...सुसाइड नोट में लिखी बातें

प्रयागराज। आठवीं के छात्र अभय विश्वकर्मा (15) की आत्महत्या के बाद जांच में एक और तथ्य सामने आया है। किशोर के साथ तीन अन्य साथी भी आत्महत्या करने गए थे। इस बीच चारों का मन बदल गया और कहा कि अब कल आत्महत्या करेंगे। चारों लौटने लगे, लेकिन अभय ने ट्रेन के सामने छलांग लगा दी। मौके से सुसाइड नोट बरामद हुआ था। इसके अलावा एक वीडियो वायरल हो रहा है। 18 जनवरी की शाम उरुवा के अजय विश्वकर्मा का बेटा अभय ने दिल्ली–हावड़ा रेल मार्ग पर अमिलिया कला में ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी थी। पुलिस ने अभय की जेब से सुसाइड नोट भी बरामद किया था। जिसमें उसने लिखा था कि कस्बे के कोटेदार सुनील केशरी ने छेड़खानी का आरोप लगाते हुए कमरे में बंदकर पीटा था। जिससे मेजा के अमिलिया कला में किशोर की आत्महत्या के मामले में सामने आया। तथ्य वह क्षुब्ध होकर आत्महत्या कर रहा है। पुलिस ने सुनील केशरी और दो अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। उधर, घटना के दो दिन बाद एक वीडियो वायरल हुआ, इसमें अभय तीन साथियों संग कह रहा है कि सुनील की पिटाई से क्षुब्ध होकर हम आत्महत्या करने जा रहे हैं। उसने कहा है कि मम्मी–पापा सुनील के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई कराइएगा। अंत में मम्मी–पापा को प्रणाम भी कहा था। अभय की पिटाई से उसके साथी भी क्षुब्ध थे। पुलिस के अनुसार अभय के साथ उसके तीन अन्य साथी आत्महत्या करने गए थे। कुछ देर ट्रेन नहीं आई तो सभी ने कहा कि अब आत्महत्या कल करेंगे।

साध्वी भगवती सरस्वती- एकता का संदेश देता है महाकुंभ, नहीं तो करोड़ों लोग एक साथ स्नान नहीं करते

प्रयागराज। अमेरिका में पली–बढ़ीं और भारत में संन्यासी बनकर महिला सशक्तीकरण और बच्चों की शिक्षा पर काम करने वाली साध्वी भगवती सरस्वती कहती हैं कि महाकुंभ एकता का संदेश देता है। यह हमें एक–दूसरे के साथ जोड़ता है। तभी तो करोड़ों लोग खुले आसमां के नीचे एक साथ स्नान करते हैं। नहीं

तो कोई महिला इतने लोगों के बीच में कैसे स्नान कर सकती है। यह दर्शाता है कि हम सब एक परिवार हैं। महाकुंभ के सेक्टर 23 स्थित परमार्थ के शिविर में साध्वी भगवती सरस्वती से बातचीत की नीरज मिश्रा ने। मेरे लिए तो कठिन नहीं था, लेकिन मेरे परिवार के लिए कठिन था। जब मैं पहली बार भारत आई थी तो ऋषिकेश पहली जगह थी, जहां मैं घूमने गई। यहां पहुंचकर लगा कि मेरी पढ़ाई–लिखाई तो किसी के काम नहीं आएगी। मैं तो दुनिया को कुछ दे ही नहीं पाऊंगी। इसके बाद मेरा मन बदल गया और संन्यास ने मुझे चुन लिया। पूज्य स्वामी चिदानंद जी से मिलने के बाद मैंने तय किया कि अब जीवन यहीं बिताना है। महाकुंभ का आयोजन आध्यात्मिक जागृति और आत्मा की शुद्धि के लिए होता है। इसमें पवित्र नदियों गंगा, यमुना और सरस्वती में स्नान का महत्व है, जो व्यक्ति को अपने पापों और बुराइयों से मुक्त करने का प्रतीक है। महाकुंभ विभिन्न राज्यों, भाषाओं और परंपराओं से आए करोड़ों लोगों के मिलन का स्थल है। यह भारतीय संस्कृति की विविधता और एकता को दर्शाता है। यहां विभिन्न संत, महात्मा और विद्वान धार्मिक प्रवचन और सत्संग आयोजित करते हैं। यह ज्ञान, योग और ध्यान का गहरा अनुभव प्रदान करता है। महाकुंभ एकता का संदेश देता है। तभी तो करोड़ों लोग एक साथ खुले आसमां के नीचे स्नान करते हैं। नहीं तो कोई महिला भला इतने लोगों के बीच में कैसे स्नान कर सकती है। महाकुंभ मेरे लिए एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय जीवन दर्शन, आस्था और मानवता का उत्सव है। हॉलीवुड टू द हिमालयाज मेरे यात्रा की कहानी है। यह बताती है कि अगर आपमें दृढ़ इच्छाशक्ति है तो आप कुछ भी कर सकते हैं। हॉलीवुड टू द हिमालयाज में सकारात्मक परिवर्तन का संदेश है। लोगों को पढ़नी चाहिए कि किस तरह से धर्म परिवर्तन, मन परिवर्तन और मानसिकता का परिवर्तन हो सकता है। देखिए, यह सब कर्मों के आधार पर होता है। आईआईटियन भी बाबा बन सकते हैं। कोई भी व्यक्ति जिसे आत्मज्ञान हो, वह ज्ञान के मार्ग पर चल सकता है। उसका बैकग्राउंड नहीं तलाशना चाहिए। कई बार लोग प्रायश्चित करने के लिए जप–तप करते हैं। साधना करते हैं। उन्हें पता होता है कि उनसे गलत हुआ है। इसलिए वह इस मार्ग पर बढ़ जाते हैं। साध्वी भगवती सरस्वती का जन्म लॉस एंजिल्स, अमेरिका में हुआ था। वे 1996 में भारत यात्रा पर आईं। 1999 में उन्होंने स्वामी चिदानंद सरस्वती से दीक्षा ली और सांसारिक जीवन को त्यागकर साध्वी बन गईं। वे परमार्थ निकेतन के शिविर में नियमित रूप से प्रवचन और सत्संग करती हैं। साध्वी भगवती सरस्वती परमार्थ निकेतन द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव की निदेशक भी हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के मंच पर दलाई लामा, प्रिंस चार्ल्स और राष्ट्राध्यक्षों के साथ अपने विचार साझा किए हैं।

'विश्वनाथ जिला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा जिले में भारत माता पूजन मनाया गया'

विश्वनाथ , असम सभारतीय संस्कृति और उसके सभ्यतागत मूल्यों को बनाए रखने के आदर्श को बढ़ावा देना, राष्ट्रवाद को ष्मजबूतष् करने के लिए तथा हिंदुत्व की विचारधारा को बनाएं रखने में लगे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वनाथ जिला ने कल अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में जिले के 15 स्थानों में भारत माता पूजन कार्यक्रम सोल्लास के साथ मनाया गया।इसकी जानकारी देते हुए जिले के अधिकारी डॉ सरजीत दास ने कहा जिले के जामुगुड़ी, सोतिया, विश्वनाथ नगर ,बाघमारा , धिलाधारी, सलाइकाठी व बालीचांग, दिरिंग ,ढोली, विश्वनाथ रेलवे स्टेशन ,नाजबर ,हेलेम ,बरगांग कुहियारबाड़ी, ब्रह्माजान, और गहपुर स्थानों में धूमधाम से श्रीराम मंदिर के प्रतिष्ठा दिवस पर भारत माता पूजन का रखा जिसमें महिलाओं और बच्चों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। इस कार्यक्रम में बौद्धिक व्याख्यान के रूप में अभीजीत चौधरी, कार्तिक गढ़,डॉ सरजीत दास , अपूर्व कुमार दास , पकंज हाजरिका, मनीष शर्मा, अनिल बरुवा,दीनकांत दास, संजीव कुमार दास आदि जिला पदाधिकारी मौजूद थे। इधर विश्वनाथ चारिआलि शहर के आमबाड़ी के राष्ट्रीय विद्यालय प्रांगण में जिले के प्रचारक कार्तिक गढ़, बौध्दिक के रूप में डॉ सरजीत दास , कल्याण आश्रम असम विश्वनाथ जिला के संगठन मंत्री सोमराम भगत और असंख्य स्वयंसेवक उपस्थिति में भारत माता पूजन कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन से शुभारंभ किया गया। इसके बाद स्वयंसेवक छात्र शिवा बासुवा के संचालन में जिले प्रचारक कार्तिक गढ़ ने गीत, स्वयंसेवक सुदीप्त दे ने अमृत वचन का प्रस्तुति दिया। बौद्धिक के रूप में डॉ सरजीत दास ने सभी सनातन धर्मी को श्रीराम मंदिर प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ की शुभकामनाएं दी। उन्होंने भारतीय संस्कृति व विरासत और राष्ट्रवाद को मजबूत रखने के साथ संघ की विचारधारा पर प्रकाश डाले। साथ ही नागरिक की कर्त्तव्य के ऊपर सारगर्भित व्याख्यान दी।

कल्याण मंत्र के साथ जयश्री राम और भारत माता की जयध्वनि से कार्यक्रम समापन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के सभी स्थानों पर सनातन लोगों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा ली।

मानव श्रृंखला बना कर दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

–वाहन चलाते समय यातायात नियमों का करें पालन: जिलाधिकारी

मथुरा। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट के सामने सड़क सुरक्षा मानव श्रृंखला बनाई गयी। उपस्थित सभी लोगों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। आम

जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किए जाने के लए कलेक्ट्रेट गेट से बांयी ओर टैंक चौराहा तथा कलेक्ट्रेट गेट से दांयी ओर तहसील तक ऐतिहासिक वृहद सड़क सुरक्षा मानव श्रृंखला बनाई गई। कार्यक्रम का मुख्य आयोजन कलेक्ट्रेट मुख्य द्वार पर किया गया। मानव श्रृंखला में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई। जिलाधिकारी श्री सिंह ने मानव श्रृंखला का अवलोकन करते हुए मानव श्रृंखला में प्रतिभाग करने वाले छात्र छात्राओं का उत्साह वर्धन किया। जागरूकता से सडक दुर्घटनाओं को नियंत्रित किया जा सकता है। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में सड़क सुरक्षा माह के तहत आज एक विशेष कार्यक्रम ''सड़क सुरक्षा मानव श्रृंखला'' का आयोजन किया गया है, जिसमें यह प्रयास किया गया है कि अधिक से अधिक लोगों तक सड़क सुरक्षा के नियमों की जागरूकता के लिए मानव श्रृंखला बनायी गई है। उन्होने कहा कि यह बहुत हर्ष की बात है कि इसमें जनपद के लोगों ने भारी संख्या में प्रतिभाग किया है। कार्यक्रम में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रिंकू सिंह राही, वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन प्रथम राजेश राजपूत, जिला सूचना अधिकारी प्रशांत कुमार सुचारी आदि मौजूद रहे।

बेमौसम का बदला मिजाज, किसानों को मिली राहत

–गेहूं की खेती के लिए फायदेमंद साबित हुई बरसात

मथुरा। पिछले कई दिनों से मौसम में उतार चढ़ाव के बाद बुधवार को सुबह से हो रही हल्की बारिश गेहूं को लाभ, आलू और सरसों को नुकसान संभावना से किसान चिंतित हैं। विगत हफ्ते लगातार कोहरा पड़ने के बाद तीन दिन से चटक धूप निकल रही थी। गुरूवार को बरसात होने से किसानों को राहत मिली है। फरह क्षेत्र के गांव बधाया, कोह, पिपरोठ, धर्मपुरा, झुड़ावई महुअन, परखम, सनोरा सहित अन्य गांवों में आलू की फसल भारी तादात में होती है और पोरी, शहजादपुर, पीगरी, सलेमपुर, रोषू आदि गांवों में सरसों की फसल ज्यादा होती है अन्य लोगों गांवों में आलू, सरसो, गेंहू की फसल का उत्पाद किया जाता है।पिपरोठ के किसान मुनेश, धर्मपुरा के शिवकुमार, रहीमपुर के सतीश, दिनेश, किसानों का मानना है कि यह मौसम गेहूं की फसल के लिए अम्रत के समान लाभ दायक है लेकिन सरसों की फसल के लिए नुकसानदायक हो सकता है।अगेती सरसों में फली आने शुरू हो गए हैं ऐसे में कोहरे के बाद धूप अब वरसात से सरसो में रोग लगने की संभावना बढ़ जाती है जिसका उपज पर प्रभाव पड़ सकता है। किसान शहजाद पुर निवासी गोविंद के अनुसार तेज बरसात या पाला पड़ने की स्थिति में आलू की फसल प्रभावित होगी। आलू की बुबाई मेड़ी बनाकर की जाती है। तेज बरसात में पानी भर जाता है तो आलू की फसल को नुकसान पहुंचा सकता है। पाला पड़ने की स्थिति में आलू की पत्तियां झुलस जाती हैं। सुबह से हो रही बारिश में किसानों ने अपन फसल देखने खेतो पर गए और आलू में भरे पानी को निकालने में जुट गए।

केएमयू ने पराक्रम दिवस के रूप में मनाई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती

नेताजी का जीवन युवा भारत के लिए प्रेरणास्रोत: किशन चौधरी

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर केएमयू में गूंजें जय हिन्द के नारे

मथुरा। सुभाषचंद्र बोस का हिंदुस्तान को आजाद कराने में अहम योगदान रहा है, उन्होंने तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा नारा देकर पूरे भारतवर्ष को एक सूत्र में बांधने का महत्वपूर्ण कार्य किया, उनके संघर्ष व जुनून का ही प्रतिफल है आजादी। नेताजी का सम्पूर्ण जीवन भारत के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। यह बात नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 128वीं जयंती के अवसर पर केएम विवि में आयोजित कार्यक्रम के तहत जिला पंचायत अध्यक्ष एवं विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी ने कही। केएम विश्वविद्यालय में आज नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती पराक्रम दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति डा. एनसी प्रजापति, कुलसचिव डा. पूरन सिंह, एडविशन डायरेक्टर प्रमोद कुंतल ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित करके किया। इस दौरान विवि के छात्रों ने जय हिन्द के नारे लगाए। विवि के कुलपति डा. एनसी प्रजापति ने कहा 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा (अब ओडिशा) के कटक में एक संपन्न बांग्ला परिवार में जन्मे नेताजी बोस अपने देश के लिए हर हाल में आजादी चाहते थे, उन्होंने अपना पूरा जीवन देश के नाम कर दिया और अंतिम सांस तक देश की आजादी के लिए संघर्ष करते रहे। 'जय हिंद' नारा हिन्दुत्व समाज को एकजुट होने के लिए दिया तथा कलेक्टर की नौकरी को भारत माता का संकल्प के लिए छोड़ दिया था, यही कारण है कि आजादी के संघर्ष के दौरान उन्होंने अनेक यातएं झेलीं। रजिस्ट्रार डॉ पूरन सिंह ने कहा कि शिक्षकों को चाहिए कि आने वाली पीढ़ियों को बोस के संघर्ष की कहानी बताएं ताकि उनके अंदर मातृभूमि के प्रति चेतना व जागृति आए। इस अवसर पर विवि के सब रजिस्ट्रार सुनील अग्रवाल, एडीशनल मेडीकल सुप्रीटेंडेंट डा. आरपी गुप्ता, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे सहित विवि के समस्त संकायों के डीन, विवि के शिक्षकगण, एमबीबीएस छात्र–छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन विवि के डीन डॉ धर्मराज सिंह ने किया।

'विश्वनाथ जिला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा जिले में भारत माता पूजन मनाया गया'

विश्वनाथ , असम सभारतीय संस्कृति और उसके सभ्यतागत मूल्यों को बनाए रखने के आदर्श को बढ़ावा देना, राष्ट्रवाद को ष्मजबूतष् करने के लिए तथा हिंदुत्व की विचारधारा को बनाएं रखने में लगे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वनाथ जिला ने कल अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में जिले के 15 स्थानों में भारत माता पूजन कार्यक्रम सोल्लास के साथ मनाया गया।इसकी जानकारी देते हुए जिले के अधिकारी डॉ सरजीत दास ने कहा जिले के जामुगुड़ी, सोतिया, विश्वनाथ नगर ,बाघमारा , धिलाधारी, सलाइकाठी व बालीचांग, दिरिंग ,ढोली, विश्वनाथ रेलवे स्टेशन ,नाजबर ,हेलेम ,बरगांग कुहियारबाड़ी, ब्रह्माजान, और गहपुर स्थानों में धूमधाम से श्रीराम मंदिर के प्रतिष्ठा दिवस पर भारत माता पूजन का रखा जिसमें महिलाओं और बच्चों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। इस कार्यक्रम में बौद्धिक व्याख्यान के रूप में अभीजीत चौधरी, कार्तिक गढ़,डॉ सरजीत दास , अपूर्व कुमार दास , पकंज हाजरिका, मनीष शर्मा, अनिल बरुवा,दीनकांत दास, संजीव कुमार दास आदि जिला पदाधिकारी मौजूद थे। इधर विश्वनाथ चारिआलि शहर के आमबाड़ी के राष्ट्रीय विद्यालय प्रांगण में जिले के प्रचारक कार्तिक गढ़, बौध्दिक के रूप में डॉ सरजीत दास , कल्याण आश्रम असम विश्वनाथ जिला के संगठन मंत्री सोमराम भगत और असंख्य स्वयंसेवक उपस्थिति में भारत माता पूजन कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन से शुभारंभ किया गया। इसके बाद स्वयंसेवक छात्र शिवा बासुवा के संचालन में जिले प्रचारक कार्तिक गढ़ ने गीत, स्वयंसेवक सुदीप्त दे ने अमृत वचन का प्रस्तुति दिया। बौद्धिक के रूप में डॉ सरजीत दास ने सभी सनातन धर्मी को श्रीराम मंदिर प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ की शुभकामनाएं दी। उन्होंने भारतीय संस्कृति व विरासत और राष्ट्रवाद को मजबूत रखने के साथ संघ की विचारधारा पर प्रकाश डाले। साथ ही नागरिक की कर्त्तव्य के ऊपर सारगर्भित व्याख्यान दी। कल्याण मंत्र के साथ जयश्री राम और भारत माता की जयध्वनि से कार्यक्रम समापन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के सभी स्थानों पर सनातन लोगों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा ली।

लोकपर्व में हनुमत लीला नाट्य कृष्ण की बाल लीला को समर्पित लोकतन्त्र एवं जनजातीय नृत्यों की मनोहारी प्रास्तुतिया।

प्रयागराज। बाल कृष्ण की लीलाओं को समर्पित बुन्देलखण्ड का बरेदी नृत्य, वेगा जनजाति का प्रकृति के मानव के प्रति योगदान को समर्पित करमा एवं घोड़ा पैठाई नृत्य, बघेली भक्ति संगीत एवं रामभक्त हनुमान के जीवन के विविध प्रसंगों की जीवन्त मचन में श्लोकपर्य की सांस्कृतिक संध्या को भव्यता प्रदान किया। मध्य प्रदेष संस्कृति विभाग द्वारा महाकुम्भ के अवसर पर सेक्टर 7 स्थित मध्य प्रदेष मण्डप में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारम्भ बघेली गायक ब्रजमान सिंह नरवरिया के बघेली भजन ओम शंकरा–नमोक शंकरा के गायन से हुआ। साधुराम वैगा का अच्छी फसल एवं प्रकृति को समर्पित करमा नृत्य एवं मनीष यादव एवं दल द्वारा बाल कृष्ण की गोचारण लीला को दर्शाने वाला मनोहारी बरेदी नृत्य की प्रस्तुति ने दर्षकों का भरपूर मनोरंजन किया। श्लोकपर्वश का एक प्रमुख आकर्षण रीवा के अंकित कुमार मिश्र के निर्देषन में मंचित लीला नाट्य हनुमान की मनोहारी मंचन था। हनुमान जी का जन्म त्रेतायुग में एक वानर महिला अजंना जी के गर्भ से हुआ था। अंजना षिव की आराधना कर रही थी। भगवान षिव ने दिव्य कुंज वायु को दिया और उन्होनें उसे माँ अंजना के गर्भ में स्थापित कर दिया, फलतः हनुमान जी का जन्म हुआ। जन्म प्रसंग के साथ–साथ बाल हनुमान द्वारा सूर्य को खाने के प्रसंग से लेकर रामकाज के विविध प्रसंगों को लीला नाट्य के माध्यम से जीवंत अभिव्यक्ति दी गयम् भारी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओ व दर्षकों को इस लीला नाट्य की भाव पूर्व प्रस्तुति बहुत पंसद आयी।

गणतंत्र दिवस से वर्ष भर अनवरत चलने वाले कार्यक्रमों की शुरू होगी श्रंखला

–धूमधाम से मनाया जाएगा गणतंत्र दिवस समारोह, बैठक में तैयारियों पर हुई चर्चा

मथुरा। कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना की अध्यक्षता में गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के दृष्टिगत बैठक हुई संपन्न। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व योगानंद पांडेय, अपर जिलाधिकारी प्रशासन विजय शंकर दुबे, नगर मजिस्ट्रेट राकेश कुमार, डिप्टी कलेक्टर कंचन, बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त, जिला विद्यालय निरीक्षक रविन्द्र सिंह, जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे, परियोजना निदेशक अरुण कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चंद्र, जिला क्रीड़ा अधिकारी राकेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। मुख्य विकास अधिकारी ने नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायतों एवं ग्राम पंचायतों में उत्कृष्ट साफ सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सभी स्थानों पर साज सज्जा, सजावट व साफ–सफाई का विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने समस्त कार्यालयों में साफ–सफाई व साज सज्जा के निर्देश दिए। समस्त खंड विकास अधिकारी अपने अपने क्षेत्रों में अमृत सरोवरों व शहीद स्मारकों पर झंडा रोहण कराए। जिला प्रोबेशन अधिकारी वृद्धा आश्रमों में फल व मिठाई का वितरण सुनिश्चित करे। उन्होंने बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक को प्रभात फेरी, रंगोली, वाद विवाद, क्विज, पोस्टर मेकिंग, पेंटिंग आदि प्रतियोगिता को आयोजित कराने के निर्देश दिए। जिला क्रीड़ा अधिकारी को विशाल रैली आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि स्वतंत्रता के अमृत काल में सम्पूर्ण जनपद में वर्ष पर्यन्त हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान की टैगलाइन के अन्तर्गत अभियान के रूप में विविध कार्यक्रम उत्सव के रूप में आयोजित किए जाएंगे। आगामी गणतंत्र दिवस समारोह में संविधान के अंगीकरण के 75 वर्ष पूर्ण होने के तथ्य पर बल दिया जाएगा। सभी ग्राम पंचायतों की ग्राम सभाओं में जीवित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मानित किया जाएगा।

गंगा हरती पीर

(कुण्डलिया)

जोग फकीरी त्याग ही, है जीवन–इतिहास।
महाकुम्भ व्याख्या करे, आओ, तजो विलास।
आओ, तजो विलास,जगत के सारे प्राणी।
गंगा–दर्शन साथ, सुनों सन्तों की वाणी।
सुन लो कहें प्रदीप, समझ कर इसे अखीरी।
भौतिकता को तजो,ग्रहण कर जोग फकीरी।।

पावन तीर्थ प्रयाग से,कहते साधु– फकीर।
है हसीन मौसम बहुत, गंगा हरतीं पीर।
गंगा हरतीं पीर,सभी की पीड़ा सुनती।
देती आशीर्वाद, सुखों का माला गुनती।
सुन लो कहें प्रदीप,हुआ जब गुनगुन–सा मन।
लगने लगा प्रयाग, तभी से पावन–पावन। ।

डॉ०प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

26 जनवरी को गदियान में होगी लोकपाल की ग्राम चौपाल

मनरेगा शिकायतों पर होगी सुनवाई व निरीक्षण

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर 26 जनवरी को सांगीपुर ब्लाक के गदियान ग्राम पंचायत में मनरेगा शिकायतों की सुनवाई व स्थलीय निरीक्षण करेंगे। ग्राम पंचायत के प्रधान, ग्राम विकास अधिकारी व शिकायत कर्ता से वार्ता करके लोकपाल ने खंड विकास अधिकारी को उक्त अवसर पर ग्राम चौपाल का आयोजन करने का निर्देश दिया है। साथ ही समस्त ग्राम स्तरीय मनरेगा व पंचायत कर्मियो को अभिलेख के साथ उपस्थित रहकर सहयोग करने का निर्देश दिया है। सांगीपुर ब्लाक के ग्राम पंचायत गदियान के राम मिलन सरोज ने 10 अक्टूबर 2024 को लोकपाल कार्यालय में ग्राम में मनरेगा योजना में अनियमितता के संदर्भ में शिकायत की थी। लोकपाल ने बीडीओ को जांच कर कार्यवाही के निर्देश दिया था। परंतु बीडीओ कार्यालय से अभी तक आख्या अप्राप्त है। वहीं पता चला की पूर्व से शिकायत कर्ता द्वारा लोकायुक्त कार्यालय से जांच कराई जा रही है। 27 दिसंबर 2024 को ग्राम प्रधान व सचिव तथा तकनीकी सहायक को लोकपाल ने तलब कर बयान व उनका पक्ष लिया था। संपूर्ण वस्तु स्थित से अवगत होकर समुचित समाधान हेतु ग्राम में चौपाल लगा कर निरीक्षण का निर्णय लिया था। जिस क्रम में 26 जनवरी को ग्राम में नियमानुसार चौपाल लगाकर शिकायतों के निस्तारण में आवश्यक सहयोग हेतु खंड विकास अधिकारी व अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा से अपेक्षा की गई है। शिकायतकर्ता की विशेष मांग पर लोकपाल ने स्थानीय पुलिस थाना को भी सूचित कर आवश्यक पुलिस व्यवस्था का भी निर्देश दिया है।

'इंदौर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न'

इंदौर । शहर समता विचार मंच इंदौर इकाई जनवरी महीने की महिला काव्य गोष्ठी '' के उपलक्ष्य में आशा जाकड़ के संयोजन में हुई।उमा मिश्रा प्रीति कार्यक्रम अध्यक्ष की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक

सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि साधना शुक्ला एवं विशिष्ट अतिथि रेखा शर्मा थीं। काव्य गोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्ष उमा मिश्राष् प्रीतिष्द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती देवी की वन्दना डॉ शशि निगम द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन प्रेरणा सेन्द्रे ने किया।इस काव्य गोष्ठी में सखियों ने 'भगवान राम का गुणगान ' सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा किया ।डा.अंजुल कंसल,संतोष तोषनीवाल,डॉ शशिकला अवस्थी,नीति अग्निहोत्री ,डॉ शशि निगम, लता सेनध्श्रुति चौधरी, ऊषा यादव ,सीता सेन, प्रभा तिवारी, हेमा जैन,सुषमा शुक्ला, शोभा रानी तिवारी ,डॉ.शशि निगम, आदि की सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें , धन्यवाद ज्ञापन डॉ अंजुल कंसल ने किया।

नगर आयुक्त ने छटीकरा से विद्यापीठ तक किया निरीक्षण

–पूरे दिन चलाया गया विशेष सफाई अभियान

मथुरा। नगर आयुक्त ने सफाई अभियान में सम्मिलित होकर वृंदावन के छटीकरा से विद्यापीठ चौराहे तक सड़कों पर पैदल भ्रमण कर जलभराव, जल भराव, नालों की सफाई, सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, वेन्डिंग जोन स्थापित किया जाना, सड़क किनारे ई–रिक्षा, ऑटो स्टेण्ड स्थापित किया जाना, स्विपिंग मशीनरी का उपयोग करते हुए रोड किनारे उगे हुए घास आदि को साफ कराया गया सीवर सैक्शन मशीन से रोड साइड वाटर लॉगिंग समाप्त कराया गया। इसी के साथ जेसीवी, टैक्टरों के माध्यम से कूड़ा उठवाया गया। साथ ही संबधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सम्पूर्ण मार्ग को मॉर्डन रोड बनाए जाने के लिए उच्च स्तरीय कार्यवाही की जाए। वृन्दावन नगर में बड़ी संख्या में प्रतिदिन श्रद्धालु दर्शनार्थ आते है, इसलिए नगर निगम द्वारा मूलभूत सुविधाओं उपलब्ध करायी जाये। वीवीआईपी मार्ग के अलावा सभी प्रमुख मंदिरों के आसपास परिक्रमा मार्ग में सफाई कार्य उच्चकोटि का रहना चाहिए इसके लिए कई टीम सफाई के लिए बना दी गई है। इस दौरान उप सभापति मुकेश सारस्वत, अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक, सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, अधिशासी अभियंता राम कैलाश, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोपाल गर्ग, क्षेत्रीय स्वास्थ्य अधिकारी महेश चंद आदि मौजूद रहे।

प्रकाष एवं स्वच्छता के कार्यों का निरीक्षण किया गया। वृंदावन स्थित छटीकरा से विधापीठ चौराहा तक नगर आयुक्त शशांक चौधरी ने प्रातःकाल से सायंकाल तक विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान रोड के किनारे स्थित

सम्पादकीय.....

ट्रंप का टशन

यूं भी अमेरिका की सारी नीतियां अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही समाप्त हो जाती हैं। लेकिन जब ट्रंप जैसा अप्रत्याशित व अमेरिका फर्स्ट का जयकारा लगाने वाला राष्ट्रपति सत्तासीन हो, तो दुनिया सांसत में ही रहेगी। शपथ ग्रहण के बाद जिस तरह असहज करने वाले कार्यकारी आदेश जारी किए गए, ये उसी की आहट है। लगता है अमेरिका के लिये स्वर्णयुग लाने का दावा करने वाले ट्रंप को लोकतांत्रिक मूल्यों, दुनिया की सेहत और वैश्विक पर्यावरण संरक्षण से कोई सरोकार नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन को दी जाने वाली बड़ी अमेरिकी मदद से हाथ पीछे खींचकर उन्होंने अपने मंसूबे जताए हैं। विश्व को ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों से बचाने के लिए प्रतिबद्ध पेरिस जलवायु समझौते से भी किनारा कर उन्होंने अपने इरादे जाहिर किए हैं। यह जानते हुए भी कि बीता साल दुनिया में अब तक का सबसे गर्म साल रहा था। यहां तक कि इन प्रभावों से पिछले दिनों लॉस एंजिल्स की भयावह आग ने अमेरिका के दरवाजे पर पिछले दिनों दस्तक दी है। वहीं दूसरी ओर तमाम आर्थिक मुश्किलों से जूझते व बेहतर भविष्य की तलाश में अमेरिका का रुख करने वाले प्रवासी उनके लिये दुश्मन नंबर वन हैं। जिनको रोकने के लिये अमेरिका की मैक्सिको सीमा पर आपातकाल की घोषणा कर दी गई है। मैक्सिको की सीमा पर दीवार बनाना उनका महत्वाकांक्षी लक्ष्य है। वे लाखों अवैध प्रवासियों को अमेरिका से खदेड़ने की बात बार–बार कहते हैं। वहीं अमेरिका फर्स्ट की नीति के चलते वे चीन समेत अन्य विकासशील देशों पर अंधाधुंध टैरिफ लगाकर मुनाफे का पलड़ा अमेरिका के पक्ष में झुकाने पर अड़े हैं। यहां तक कि उन्होंने ब्रिक्स देशों को चेताया है कि यदि डॉलर के मुकाबले वैकल्पिक मुद्रा चलन में लाने का प्रयास किया गया तो वे भारत,रूस व चीन आदि पर सौ फीसदी टैरिफ लगाएंगे। विशेष रूप से चीन उनके निशाने पर है, जो अमेरिका के नंबर एक दावे को चुनौती देने की क्षमता रखता है। दुनिया के तमाम देशों को उनके बड़बोले बयानों के मद्देनजर मुश्किल समय हेतु तैयार रहना चाहिए। दरअसल, केवल विकासशील व तीसरी दुनिया के देश ही नहीं, बल्कि ग्रीनलैंड पर कब्जे की मंशा के बयानों को लेकर यूरोपीय देशों में ट्रंप को लेकर खासी नाराजगी नजर आ रही है। पनामा नहर का प्रबंधन हासिल करने के बयानों पर भी तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। कभी वे कनाडा को अमेरिका में शामिल करने के दावे करते हैं। आते ही कनाडा पर टैरिफ बढ़ाकर उन्होंने अपने मंसूबे जाहिर किए हैं। पिछले कुछ वर्षों में महामारी के प्रभावों से उबरते हुए तमाम बीमारियों से जूझते विश्व को ट्रंप ने बड़ा झटका दिया है। मानवता के कल्याण को समर्पित डब्ल्यूएचओ की आर्थिक मदद बंद करने से विकासशील व गरीब मुल्कों का स्वास्थ्य तंत्र अब भगवान भरोसे रह जाएगा। यदि विश्व में फिर किसी महामारी की दस्तक होती है तो पूरी दुनिया में स्थितियां गंभीर होंगी। विश्व के सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र में यूं पूंजीवादी सोच व नीतियों का वर्चस्व बेहद चिंता की बात है। जिस बात की चिंता पिछले दिनों निवर्तमान राष्ट्रपाति जो बाइडेन भी जता चुके हैं। लेकिन उग्र राष्ट्रवाद के खुमार में डूबे अमेरिकी कुछ सुनने को तैयार नहीं हैं। पर्दे के पीछे 'ट्रंप उदय' के पीछे दुनिया के सबसे अमीर पूंजीपतियों में शुमार एलन मस्क की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि अमेरिका फर्स्ट की नीतियों के प्रबल पैरोकार ट्रंप को दुनिया के सामाजिक, आर्थिक व सेहत के सरोकारों से कुछ भी लेना–देना नहीं है। कमोबेश यही स्थितियां अमेरिका की विदेश नीति में भी उजागर होंगी। फिलहाल, इस्राइल–हमास संघर्ष थमता दिख रहा है, लेकिन ये कब तक थमा रहता है, कहना कठिन है। जाते–जाते संघर्ष विराम का श्रेय लेने की होड़ में जो बाइडेन इस्राइल–हमास संघर्ष को फौरी तौर पर रोक तो गए हैं,लेकिन इसके लंबे समय तक थमे रहने के आसार कम ही हैं। वहीं ट्रंप रूस–यूक्रेन युद्ध को भी रुकवाने की बात कर रहे हैं,लेकिन वे अपने यूरोपीय सहयोगियों को नाराज करके इसमें कितना कामयाब होते हैं, ये भविष्य के गर्भ में निहित है।

दोषी को सजा और समाज की जिम्मेदारी

प्रेम शर्मा

कोर्ट यह कैसे कह सकता है कि यह दुर्लभतम मामला नहीं है? वहीं भाजपा ने भी इस मामले में उम्रकैद मिलने पर अपनी नाराजगी जताई और इसके लिए ममता सरकार को कटघरे में खड़ा किया।

प.बंगाल में आरजी कर अस्पताल में 8–9 अगस्त 2024 की रात ट्रेनी डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के दोषी संजय रॉय को सोमवार को सियालदह कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। इससे दो दिन पहले अदालत ने 18 जनवरी को संजय को दोषी ठहराया था। अदालत ने इस मामले को जघन्य तो माना, लेकिन दुर्लभतम यानी रेयरेस्ट ऑफ द रेयर नहीं माना, इसलिए दोषी को मृत्युदंड न देकर मरने तक उम्रकैद दी गई है। हालांकि प.बंगाल सरकार ने अब कलकत्ता हाईकोर्ट में उम्रकैद को सही नहीं मानते हुए दोषी को फांसी देने के लिए याचिका दायर की है, जो मंजूर तो कर ली गई है, लेकिन इस पर सुनवाई कब होगी, यह अभी तय नहीं है। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा– मुझे पूरा विश्वास है कि यह रेयरेस्ट ऑफ रेयर मामला है, जिसके लिए मौत की सजा मिलनी चाहिए। कोर्ट यह कैसे कह सकता है कि यह दुर्लभतम मामला नहीं है? वहीं भाजपा ने भी इस मामले में उम्रकैद मिलने पर अपनी नाराजगी जताई और इसके लिए ममता सरकार को कटघरे में खड़ा किया। जबकि भाजपा यह जानती है कि मामले की पूरी जांच सीबीआई की निगरानी में हुई और उसके द्वारा पेश तथ्यों और सबूतों के आधार पर ही दोषी को सजा दी गई है। अगर भाजपा को आपत्ति दर्ज करनी ही है तो उसे फिर सीबीआई पर भी सवाल उठाने चाहिए। लेकिन ऐसा लगता है कि यहां न्याय से अधिक राजनीतिक लाभ लेने का खेल चल रहा है। वैसे पीड़िता के परिजन भी इस फैसले से निराश हैं और उन्होंने भी बड़ी अदालत में याचिका दायर करने का फैसला किया है। सियालदह अदालत ने दोषी को सजा के साथ–साथ पीड़िता के परिवार को मुआवजा देने का भी आदेश दिया है। अदालत ने डॉक्टर की मौत के लिए 10 लाख और बलात्कार के लिए 7 लाख मुआवजा तय किया। इस दौरान कोर्ट में मौजूद ट्रेनी डॉक्टर के माता–पिता ने हाथ जोड़कर कहा कि हमें मुआवजा नहीं, न्याय चाहिए। इस पर जज ने कहा– मैंने कानून के मुताबिक यह मुआवजा तय किया है। आप इसका इस्तेमाल चाहे जैसे कर सकते हैं। इस रकम को अपनी बेटी के बलात्कार और हत्या के मुआवजे के तौर पर मत देखिए।बात सही है कि इस जघन्य अपराध का कोई मुआवजा तय ही नहीं हो सकता, फिर भी अदालत ने कानून के दायरे में जो उचित था, वैसा फैसला सुनाया। पीड़िता के माता–पिता ने यह दावा भी किया है कि जांच ठीक से नहीं हुई है। कई लोगों को बचाया गया है। इस बारे में अदालत ने भी पुलिस और अस्पताल के रवैये की आलोचना की है। अस्पताल की तरफ से घटना की जानकारी देने में देर की गई और उसके बाद पुलिस ने केस दाखिल करने में देर की। दो पुलिसकर्मियों के बयान के आधार पर अदालत ने टिप्पणी की, इस बात में कोई शक नहीं कि अधिकारियों द्वारा ये कोशिश की जा रही थी कि इस मौत को आत्महत्या दिखाया जाए ताकि अस्पताल पर कोई बुरा असर न पड़े। जज ने अपने फैसले में कहा, चूंकि जूनियर डॉक्टरों ने विरोध करना शुरू कर दिया था, इसलिए ये गैर कानूनी सपना पूरा नहीं हो पाया। अदालत की यह टिप्पणी काफी गंभीर है, क्योंकि समाज में अनेक महिलाएं ताउम्र केवल इसलिए नाइंसाफी का शिकार बनी रहती हैं क्योंकि किसी न किसी वजह से दोषी को बचाने या मामले को दबाने की कोशिश की जाती है। इसमें अगर राजनीति का खेल शुरु हो जाता है, तब तो बात और बिगड़ जाती है। आर जी कर मामले में ही देश ने देखा कि किस तरह भाजपा ने इसे ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधने के लिए इस्तेमाल किया। इससे पहले निर्भया मामले में भी भाजपा का रवैया ऐसा ही था। लेकिन कठुआ, हाथरस, उन्नाव जैसे मामलों में भाजपा का रवैया दूसरा ही रहा। मणिपुर की घटना पर तो अंतरराष्ट्रीय मंचों से आलोचना हुई, लेकिन फिर भी भाजपा की तथाकथित डबल इंजन सरकार नाकारा साबित हुई। यही हश्र महिला पहलवानों के संघर्ष का भी रहा, जो यौन उत्पीड़न की शिकायत करती रहीं, मगर आरोपी सत्ताश्रय में मजे से रहे। आर जी कर मामले के दोषी संजय रॉय को चाहे मरने तक जेल में रहना पड़े या उसे बड़ी अदालतों से मौत की सजा मिल जाए, इससे देश में महिलाओं के साथ अत्याचार रुकेगा, इसका दावा नहीं किया जा सकता। निर्भया मामले में भी दोषियों को फांसी की सजा हुई, लेकिन इससे महिलाओं के लिए असुरक्षित और नकारात्मक माहौल में कोई बदलाव नहीं आया। इसलिए केवल कानूनी या अदालती कार्रवाई पर्याप्त नहीं है, इसमें हर तरह से सजगता चाहिए।

आर जी कल मामले में ही सीबीआई ने आरोपपत्र में कहा कि संजय रॉय को बलात्कार या हत्या का कोई पछतावा नहीं है, उसका व्यवहार जानवरों जैसा था। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संजय रॉय की कई शादियां भी हो चुकी हैं। यानी उसके चरित्र के सारे दाग अब दिखलाए जा रहे हैं। लेकिन इसी संजय रॉय ने 2019 में कोलकाता पुलिस में डिजास्टर मैनेजमेंट ग्रुप के लिए वॉलंटियर के तौर पर काम करना शुरू किया था, तब उसकी पूरी पृष्ठभूमि क्यों नहीं खंगाली गई, यह बड़ा सवाल है। अगर तब उसकी असलियत पता चल जाती तो शायद एक लड़की की जान बच जाती। क्योंकि पुलिस के लिए स्वयंसेवी के तौर पर काम करने के बाद संजय वेलफेयर सेल में चला गया। और अपने संपर्कों की बदौलत उसने कोलकाता पुलिस की चौथी बटालियन में घर भी ले लिया। इस घर की वजह से ही आरजी कर अस्पताल में उसे नौकरी मिली। बताया जाता है कि वह अक्सर अस्पताल की पुलिस चौकी पर तैनात रहता था, जिससे उसे सभी विभागों में आने–जाने की छूट मिली थी। संजय रॉय जैसे कितने ही दरिंदे इंसानों की शक्ल में हमारे आसपास घूमते रहते हैं, जिन्हें समाज या प्रशासन की लापरवाही के कारण अपराध करने की छूट मिल जाती है।

ट्रम्प के न बुलाये जाने के लिये मोदी खुद ही जिम्मेदार हैं

डॉ. दीपक पाचपोर

एक समय था जब किसी भी देश के राष्ट्राध्यक्ष, खासकर बड़े देशों के राष्ट्रपति–प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में कौन आमंत्रित है और कौन नहीं, यह बहुत मायने नहीं रखता था। देखा यह जाता था कि किस व्यक्ति के सर्वोच्च पद पर आसीन होने से किस तरह की आंतरिक व बाह्य नीति अपनाई जायेगी? हाल के वर्षों में शपथ ग्रहण समारोह एक इवेंट बन गया है जो घरेलू मोर्चे के साथ–साथ विदेशी मित्र हों या शत्रु अथवा तटस्थ देश–सभी को साधने का अवसर माना जाने लगा है। जब से यह परिपाटी चल पड़ी है, तब से मेहमानों की सूची इस मौके की सबसे अधिक गौरपूर्वक देखे जाने वाली बात बन गयी है। अतिथियों का चयन शपथ लेने वाले व्यक्ति पर काफी कुछ छोड़ दिया गया है और वह इस अवसर पर कौन उपस्थित रहेगा यह तय करने के साथ ही यह संदेश भी दे देता है कि अपने कार्यकाल में वह किसके साथ कैसे सम्बन्ध निभायेगा (या निभायेगी)। देश और पार्टी की नीतियां एवं विचारधाराएं अब गौण हो चली हैं तथा ज्यादातर राष्ट्राध्यक्ष जनता को अपने बूते हांकने लगे हैं। विशेष रूप से वे शासक जिनका रवैया अपेक्षाकृत कम या अलोकतांत्रिक होता है। ऐसे शासक अपने देश की चिर–परिचित नीतियों के साथ–साथ वैश्विक संतुलन बिगाड़ने में भी सक्षम होते हैं। अमेरिका के नये बने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को लेकर इसी तरह की आशंकाएं हैं। उनकी वाणी जैसी स्वच्छंद है, कार्यप्रणाली वैसी ही उच्छृंखल। 4 साल के अंतराल के बाद फिर से लौटे ट्रम्प जब दुनिया के सबसे ताकतवर राष्ट्रपति के पद की सोमवार को वाशिंगटन डीसी में शपथ ले रहे थे तो उनके अतिथियों के रूप में उन्हीं के जैसे अनेक दक्षिणपंथी नेता मौजूद थे। अतिथियों के रूप में किसे बुलाना है और किसे नहीं, इसके सामान्यतरू दो उद्देश्य होते हैं– एक, नयी शुरुआत करने की इच्छा की अभिव्यक्ति। याद करें 2014 में पहली बार नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री की शपथ ले रहे थे तब उन्होंने सार्क देशों के प्रमुखों को आमंत्रित किया था। पाकिस्तान के पीएम नवाज शरीफ को भी बुलाकर मोदी ने संदेश दिया था कि वे पड़ोसी मुल्कों के साथ अच्छे सम्बन्ध बनाना चाहते हैं। यह हो नहीं सका वह अलग बात है जिसके अनेक कारण हैं। दूसरे, ऐसे राष्ट्राध्यक्ष अपने जैसे राष्ट्रपतियों–प्रधानमंत्रियों का कुनबा बनाते हैं। ये मिलकर दुनिया पर राज करने की इच्छा रखते हैं या सम्मिलित गुट के रूप में अपने हितों को साधते हैं। अमेरिका और उसके जैसे बड़े देश सम्बन्ध निर्वाह में अपनी शर्तें लाद सकते हैं। वहां के राष्ट्रपति किसे बुलाते हैं किसे नहीं, इसका असर उनके अपने देशों पर कम आमंत्रित या अनामंत्रित देशों पर अधिक पड़ता है– जैसे मोदी को न बुलाये जाने पर अमेरिकियों को फर्क नहीं पड़ेगा लेकिन वह भारत में हंगामे का सबब बन गया है। मोदी नहीं बुलाये गये हैं तो यह साफ संकेत हैं कि आने वाले समय में अमेरिका को लेकर भारत की परेशानियां बढ़ सकती हैं। पिछले एक दशक से भारत की स्थिति अंतरराष्ट्रीय पटल पर चाहे जो रही हो, लेकिन यह सच है कि मोदी ने भारत की विदेश नीति को राष्ट्रीय की बजाये अपनी व्यक्तिगत छवि निर्माण की नीति बना रखा है। वे राष्ट्राध्यक्षों के ग्रुप फोटो में कहां खड़े होते हैं, किसके साथ चाय पी रहे हैं, किसे झूला झुला रहे हैं– यह अधिक महत्वपूर्ण बना दिया गया है। इसलिये वे संसदीय परम्पराओं के अनुरूप अपनी विदेश यात्राओं की रिपोर्ट न संसद में पेश करते हैं और न ही राष्ट्रपति को देते हैं। अपने कारोबारी मित्रों को साथ लेकर घूमना और उन्हें विदेशों ठेके दिलाना तो विदेश नीति नहीं हो सकती। दो देशों के सम्बन्धों को मोदी ने व्यक्तिगत दोस्ती के प्रदर्शन का विषय बना लिया है। वे किसके गले लगते हैं, किसे अंगूठी भेंट करते हैं और किस देश में जाकर वहां का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पाते हैं, इसका उपयोग हेडलाइन मैनेजमेंट के लिये तो किया जा सकता हैय या खुद को अपने लोगों के बीच देवता के रूप में स्थापित करने में भी वह उपयोगी होगा, परन्तु वह देशहित में रत्ती भर भी नहीं है। जिन लोगों के लिये मोदी विश्वगुरु हैं, वे सोचें कि आज वे अनामंत्रित क्यों हैं। दरअसल, इसका आभास ट्रम्प को होगा कि मोदी अपने देश में ही कमजोर पड़ गये हैं। भारत ने अपनी पूरी वैदेशिक नीति को मोदी के जरिये कुछ लोगों के व्यवसाय संवर्धन अथवा हथियार खरीद तक सीमित कर दिया है। अमेरिका जानता है कि फिलहाल मोदी अपनी जमीन पर ही ठीक से खड़े नहीं हो पा रहे हैं। मोदी को यदि ट्रम्प ने नहीं बुलाया है, तो यह उनकी अपनी पराजय है। इसे भारत की हार, नाकामी या अपमान के रूप में नहीं देखा जाना चाहिये क्योंकि भारत की चिर–परिचित विदेश नीति तटस्थता की रही है। उस विदेश नीति को मोदी कभी से मटियामेट कर चुके हैं। वर्तमान दौर की यह उनकी अपनी निजी यात्राएं बन गयी है वरना हमारी विदेश नीति में न तो ताकतवर राष्ट्राध्यक्षों की चिरौरी करने की परम्परा रही है और न ही किसी भी कदम के लिये किसी शक्तिशाली राष्ट्रपति के सामने अपने सुरक्षा सलाहकार को भेजकर इस बात की सफाई देने की रही कि हमारे राष्ट्रपति ने आपके साथ युद्ध कर रहे देश के राष्ट्रपति के कंधे पर हाथ रखकर चलहकदमी क्यों की। हमारे किसी भी पूर्व प्रधानमंत्री ने अपनी विदेश यात्राओं के दौरान पार्टी या सरकार के खर्च पर विदेशी जमीन पर भीड़ नहीं जुटाई, न ही किसी के लिये नारे लगवाये कि श्अबकी बार फलां–फलां की सरकारश। तमाम बड़े देशों में हमारे पीएम जाते रहे हैं और वहां की सड़कों के दोनों ओर वहीं की जनता जोश व सम्मान के साथ उनका अभिवादन करती थी– अमेरिका हो या उसका धुर विरोधी तत्कालीन सोवियत रूस। अमेरिका जान गया है कि भारत के पास अब ऐसा प्रधानमंत्री नहीं है जो अपने राजदूत को यह सुनने पर तत्काल वापस बुला लेता था कि श्जो अमेरिका के साथ नहीं वह उसका दुश्मन है।श अब उसके पास ऐसा पीएम भी नहीं है जो दुनिया को कह सके कि श्अमेरिका अपना सातवां बेड़ा भेजे या सत्तरवां। यह युद्ध नहीं रूकेगा।श अब तो ऐसी सरकार है जो अपने देश की सबसे बड़ी सैन्य जीत की प्रतीक बनी तस्वीर को सेना मुख्यालय से हटाती है। ट्रम्प द्वारा एक स्वाभिमानी भारत को नहीं वरन उन मोदी को श्नहींश बुलाया गया है जो हर राष्ट्राध्यक्ष से निजी मित्रता के दावे करते हैं, किसी के आने पर उन्हें गंगा आरती दिखाते हैं तो किसी के आगमन पर अपने ही देशवासियों की बस्तियों के आगे रातों–रात दीवारें खड़ी कर देते हैं ताकि उनकी गरीबी न दिख सके। फिर, भारतीय प्रधानमंत्री को न बुलाना बहुत स्वाभाविक है क्योंकि कोई भी पूंजीवादी व्यक्ति अथवा देश उसी से लगाव रखता है जिसमें उसे फायदा दिखे। उसके हितों का विस्तार हो। आज अमेरिका को भारत के मुकाबले चीन से मित्रता में अधिक लाभ दिख रहा है सो ट्रम्प ने मोदी को नजरंदाज कर दिया।देश को आगे कीजिये मोदी जी! आप ताकतवर अपने बल पर नहीं वरन भारत के भरोसे हैं। जवाहर लाल नेहरू से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी से होते हुए मनमोहन सिंह सभी की अपनी शख्सियतें थीं लेकिन किसी ने खुद को देश से बड़ा नहीं बताया। देश को बड़ा कीजिये– आप अपने आप बड़े बन जायेंगे!

वाहियात लड़ाई वाला महत्वपूर्ण चुनाव

अरविन्द मोहन

दिल्ली को सबसे अच्छी तरह जानने और दिल्ली विधान सभा चुनाव को काफी करीब से जानने के आधार पर कहा जा सकता है कि देश की राजनीति में अपने कद से काफी बड़ा स्थान रखने के बावजूद इतना वाहियात चुनाव प्रचार कहीं नहीं होता। बड़े मुद्दे बताते हुए दिल्ली राज्य सरकार के अधिकार और उसकी सीमाओं की चर्चा भी हो सकती है लेकिन यहां दिल्ली का यातायात (खासकर जाम की समस्या), दमघोंटू प्रदूषण, शिक्षा और स्वास्थ्य से लेकर हर मामले में कई–कई स्तर का साफ बंटवारा (और हर दल के नेता और अधिकारियों के एक अलग ही स्तर पर जीने), संसाधनों के दुरुपयोग (जिसमें सबसे ज्यादा नेताओं के प्रचार का खर्च अखरता है), गंदगी के साम्राज्य, अपराधों, की भरमार, बेतहाशा शराबखोरी और महंगाई–बेरोजगारी चुनावी मुद्दा बनते ही नहीं। सत्ता के साथ समृद्धि का केंद्र बनाकर दिल्ली जिस तरह दूरदराज के गरीब इलाकों के बेरोजगार और बीमार लोगों को बसने और इलाज के लिए आकर्षित करती है उसमें यहां कोई व्यवस्थित नीति बने यह चर्चा सिरे से गायब है– जबकि पुरबिया प्रेम अचानक सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बन गया है। उसमें जरा सी चूक या मन के तह में बैठे पुरबिया द्वेष के बाहर आते ही बवाल मच जाता है–भाजपा के एक नामी प्रवक्ता तो झा जी को झान्टूजी कहकर शहीद भी हो चुके हैं। चुनाव के समय अचानक पुरबिया समाज के महत्वपूर्ण होने के मसले की चर्चा से पहले यह देखना जरूरी है कि जैसे ही कोई गंभीर मसला उठता है दोनों प्रमुख पक्ष एक दूसरे को दोषी बताने का नाटक चलाकर चुप्पी साध लेते है। भाजपा शिक्षा का रोना रोएगी तो आप वाले प्रिंसिपल और अध्यापकों की नियुक्ति की फाइल लाट साहब द्वारा रोकने की बात करेगी। अदालत पेड़ कटवाने पर उप राज्यपाल को दोषी बताते हैं तब भी आप के नेताओं को उस पर दबाव बनाने की नहीं सूझती। जबकि वे लगभग रोज उनकी दखलंदाजी की या अधिकारियों द्वारा उनका निर्देश न मानने की शिकायत करते हैं। इस बार तो शक्तियों के बंटवारे का सवाल उठा ही नहीं वरना अभी तक दिल्ली चुनाव में केंद्र बनाम राज्य एक मुद्दा रहा करता था। भाजपा झुग्गी झोपड़ी वालों को मकान देने का आप का वायदा पूरा न होने का आरोप लगाएगी तो आप वाले डीडीए से जमीन न मिलने का बहाना ढूंढ लेते हैं। दंगा, अपराध, प्रदूषण, यमुना सफाई, गंदगी, कूड़े का पहाड़ जैसे हर मुद्दे पर यही खेल चलता है और बात आई गई हो रही है और यह अखरता ज्यादा है क्योंकि चौथी बार आप और भाजपा आमने सामने है तथा सारा जोर भी लगा है पर मुद्दों के मामले में खेल और बिगड़ा है। 27 साल से दिल्ली की सत्ता से बाहर रहने और महाबली नरेंद्र मोदी की सत्ता के ठीक नीचे अरविन्द केजरीवाल का एक अलग तरह की राजनीति शुरू करना और बार बार–बार भाजपा को पटखनी देना मोदी–शाह को जरूर अखरता है लेकिन जिस तरह आप और अरविन्द खड़े रहा करते हैं और दिल्ली से बाहर हर जगह की चुनावी लड़ाई में मोटे तौर पर भाजपा को ही मदद करते रहे हैं उससे भाजपा उनकी मौजूदगी से ज्यादा शिकायत नहीं लगती। पंजाब में जरूर आप की सत्ता हो जाने से अरविन्द को बल मिला है लेकिन वहां कांग्रेस का हारना भाजपा को अच्छा ही लगा है। दिल्ली की लड़ाई भाजपा चुनाव के अलावा भी लगातार लड़ती है लेकिन जिस तरह उसने अपना स्थानीय नेतृत्व खत्म किया है और इस चुनाव में भी साफ कमजोरियां दिखा रही है वह उसके इस डर को भी बताता है कि कहीं कांग्रेस और राहुल गांधी मजबूत न हों जाएं। भाजपा ने शराब नीति के घोटाले और मुख्यमंत्री आवास के मसले पर कुछ श्अतिश कर दिया हो लेकिन इन्हें मुद्दा बनाने में वह सफल रही, चुनाव में उस पर जोर न देना समझ नहीं आता। केजरीवाल ने भी इन मुद्दों पर बेशर्मी की हद तक राजनीति की (उन्हें हेमंत सोरेन से सीख लेनी चाहिए थी) लेकिन वे अब इन्हें भुलाने में लगे हैं क्योंकि इनका असर देखकर ही उन्होंने मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ी थी। पुरबिया वोट के मसले पर भाजपा शुरू से बहुत संवेदनशील रही है लेकिन उसने पुरबिया लोगों के लिए कुछ किया नहीं है। संवेदनशीलता की हालत यह है कि कहीं बाहर से लाकर मनोज तिवारी को सर्वेसर्वा बना दिया और इस बार उनका टिकट रिपीट भी किया लेकिन ये सारे फैसले भाजपा के मूल चरित्र और आधार से इतना उलट हैं कि लाभ करने की जगह नुकसान ही हुआ लगता है। इस बार भी आप के एक दर्जन पुरबिया उम्मीदवारों की जगह उसने मात्र चार या पांच उम्मीदवार उतारे हैं, वह भी कपिल मिश्र को पुरबिया बताकर जबकि उनका पूरब से कोई लेना–देना नहीं है। आप को यह आधार मिला लेकिन यह कांग्रेसी आधार है। इस बार कांग्रेस जोर लगा रही है लेकिन ऐसा कोई बड़ा शिफ्ट होता दिखाई नहीं देता। मुसलमान वोटों के मामले में ऐसा कहना जल्दबाजी होगी पर उसमें बदलाव हो सकता है। खुद कांग्रेस पूरा जोर नहीं लगा रही है। अभी तक राहुल गांधी की सिर्फ एक सभा हुई है और प्रियंका तो मैदान से बाहर ही हैं। कांग्रेस के प्रति दलितों और पिछड़ों में आकर्षण बढ़ा है लेकिन मतदान तक की स्थिति बहुत मेहनत और भरोसे से आती है। फिर दिल्ली की चुनावी राजनीति में जाति उतना बड़ा फैक्टर नहीं होती जितना यूपी–बिहार–राजस्थान या उत्तराखंड में। यहां उसकी तुलना में वर्ग का आधार ज्यादा कारगर है जो काफी कुछ मुहल्लों और चुनाव क्षेत्रों की बसावट से भी जाहिर होता है। स्लम और निम्न–मध्यमवर्गी बस्तियों में पहले कांग्रेस का जोर रहता था और अब आप का। लेकिन इन सबसे दिल्ली चुनाव का महत्व इतना काम नहीं हो जाता कि कभी सैफ के कथित हमलावर की राष्ट्रीयता तो कभी काटोगे–बांटोगे और कभी भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला जी जुबान फिसलने को केन्द्रीय मुद्दा बना दिया जाए। अभी भी छोटा और सत्ता से कमजोर राज्य होने के बावजूद दिल्ली देश की राजधानी है और उभरते भारत की प्रतिष्ठा इसके साथ जुड़ी है। सत्ताईस साल से सत्ता से दूर रही भाजपा के स्थानीय नेता अगर भूखे भेड़िए सा व्यवहार करते हैं तो बात समझ आती है। नरेंद्र मोदी तथा अमित शाह के लिए भी काफी कुछ दांव पर लगा है क्योंकि हर्षवर्द्धन जैसे नेता को किनारे करना और भाजपा के पंजाबी, बनिया और ब्राह्मण आधार को झुठलाकर पुरबिया मनोज तिवारी जैसों के हाथ में पतवार देने का फैसला उनका ही रहा है। कांग्रेस का ज्यादा कुछ दांव पर भले न हों पर आप का फिर से जीतना इंडिया गठबंधन की राजनीति को मटियामेट करेगा और संभव है कांग्रेस विरोधी एक तीसरे मोर्चे की राजनीति भी शुरू करा देगा और अरविन्द केजरीवाल तथा आप के लिए तो जीवन–मरण प्रश्न है। उन्हें सिर्फ जीतना ही नहीं है अगर सीटें ज्यादा काम हुईं तब भी भाजपा और मोदी उन्हें जीने नहीं देंगे। बीते पांच साल भी इस बात की गवाही हैं।

मुंबई में घर न मिलने से परेशान हुई ये एक्ट्रेस, दर्द बयां कर बोलीं- जैसे ही लोगों को पता चलता है कि..

> टीवी शो गुम है किसी के प्यार में एक्ट्रेस यामिनी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपना दर्द बयां करते हुए लिखा, हैलो दोस्तों, मैं आपसे एक ऐसी बात शेयर करना चाहती हूं, जो मेरे लिए काफी दुखद और परेशान करने वाली रही है। मुझे मुंबई से बहुत प्यार है, लेकिन यहां घर ढूंढना मेरे लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है।

जानी–मानी एक्ट्रेस और डेंटिस्ट यामिनी मल्होत्रा 'बिग बॉस 18' शो में नजर आने के बाद काफी सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि मुंबई जैसे बड़े शहर में उन्हें एक घर रेंट पर नहीं मिल रहा है। उन्हें एक घर मिलने में काफी दिक्कत हो रही है। मकान मालिक उन्हें एक्ट्रेस होने की वजह से घर किराए पर देने से मना कर देते हैं। टीवी शो गुम है किसी के प्यार में एक्ट्रेस यामिनी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपना दर्द बयां करते हुए लिखा, हैलो दोस्तों, मैं आपसे एक ऐसी बात शेयर करना चाहती हूं, जो मेरे लिए काफी दुखद और परेशान करने वाली रही है। मुझे मुंबई से बहुत प्यार है, लेकिन यहां घर ढूंढना मेरे लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। एक्ट्रेस ने लिखा, लोग मुझसे अजीब–अजीब सवाल पूछते हैं, जैसे कि आप हिंदू हैं या मुस्लिम?, गुजराती हैं या मारवाड़ी?श और जब उन्हें यह पता चलता है कि मैं एक एक्ट्रेस हूं, तो वे बिना किसी वजह के घर देने से मना कर देते हैं। क्या सिर्फ एक एक्ट्रेस होने की वजह से मुझे घर पाने का हक नहीं है? ये सोचने वाली बात है कि 2025 में भी लोग ऐसे सवाल पूछते हैं। अगर सपनों के इस शहर में सपने पूरे करने के लिए इतनी शर्तें जुड़ी हुई हैं, तो क्या इसे सच में सपनों का शहर कहा जा सकता है। काम की बात करें तो यामिनी मल्होत्रा टीवी शो गुम है किसी के प्यार में के साथ–साथ मैं तेरी तू मेरा में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा वह 2016 में आई तेलुगु फिल्म चुत्तलबाई में भी काम कर चुकी हैं। यामिनी ने रियलिटी शो बिग बॉस 18 में वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री ली थी। हालांकि, वे कुछ ही हफ्तों में शो से बाहर हो गई थीं।

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के साथ 'लव और वॉर' में नजर आएंगी दीपिका पादुकोण, चर्चाओं का दौर शुरू

संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म 'लव एंड वॉर' में आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल एक साथ नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग चल रही है। इन सबके बीच एक अफवाह फैली है कि एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म के प्डक्इ पेज पर कास्ट में दीपिका का नाम आने के बाद सोशल मीडिया पर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। फिल्म 'लव एंड वॉर' के प्डक्इ पेज पर एक अपडेट आया, जिसमें दीपिका का नाम 'कैमियो अपीयरेंस' के साथ कास्ट में सबसे ऊपर है। उनके बाद फिल्म के मेन लीड आलिया, रणबीर और विक्की हैं। आपको बता दें, पिछले साल चर्चा में रहे ओरी भी फिल्म का हिस्सा हैं। वह फिल्म में अहम भूमिका निभाते नजर आने वाले हैं। अगर दीपिका के लव एंड वॉर का हिस्सा होने की अफवाह सच होती है, तो इसका मतलब यह होगा कि एक्ट्रेस 7 साल से ज्यादा के अंतराल के बाद भंसाली के साथ काम करेंगी। एक्ट्रेस ने आखिरी बार भंसाली के साथ फिल्म पद्मावत (2018) में काम किया था। इसके अलावा, 'लव एंड वॉर' में दीपिका और उनके पूर्व प्रेमी रणबीर के बीच 3 साल से अधिक समय के बाद ऑन–स्क्रीन पुनर्मिलन भी होगा। दीपिका ने रणबीर की फिल्म ब्रह्मास्त्र : पार्ट वन – शिवा (2022) में कैमियो किया। इससे पहले, दोनों अभिनेताओं ने इम्तियाज अली की तमाशा में स्क्रीन स्पेस साझा किया था, जो 2015 में रिलीज़ हुई थी।

रमेश सिप्पी जन्मदिन: रमेश सिप्पी ने इस फिल्म से की थी एक्टिंग की शुरुआत, फिर डायरेक्टर बन दी कई हिट फिल्में

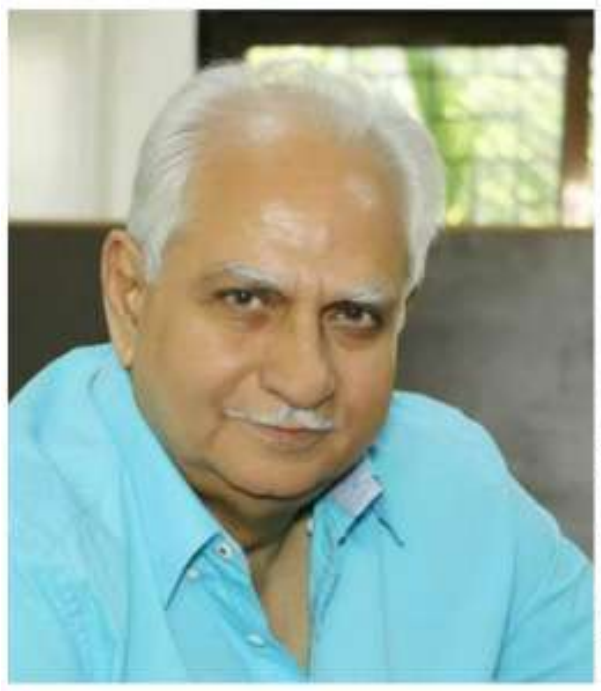

हिंदी सिनेमा के फेमस डायरेक्टर रमेश सिप्पी आज यानी की 23 जनवरी को अपना 78वां जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने 'शोले', 'सीता और गीता', 'शक्ति', 'सागर' जैसी तमाम फिल्मों का निर्माण किया है। उन्होंने छोटी सी उम्र में ही डायरेक्शन और फिल्म प्रोडक्शन का काम संभाल लिया था। कई हिट फिल्में देने वाले रमेश सिप्पी ने अपने करियर की शुरूआत एक्टिंग से की थी। दरअसल, उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट से अपने करियर की शुरूआत की थी। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर रमेश सिप्पी के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

पाकिस्तान के कराची 23 जनवरी 1947 को रमेश सिप्पी का जन्म हुआ था। इनका पूरा नाम रमेश सिफियामनलानी है। रमेश सिप्पी का जन्म पाकिस्तान के सिंधी परिवार में हुआ था। उन्होंने छोटी उम्र से ही काम की जिम्मेदारी संभाल ली थी। कम उम्र में कई वर्षों का एक्सपीरियंस लिए रमेश सिप्पी का अक्सर काम के प्रति लगाव देखकर लोग उनका मजाक भी उड़ाया करते थे। एक बार सलीम–जावेद ने कह दिया था कि रमेश सिप्पी को देखकर नहीं लगता कि उन्होंने कभी बचपन भी जिया होगा। ऐसा लगता है कि वह जन्म लेते ही 21 साल के हो गए।

इस फिल्म से मिला था पहला ब्रेक

फिल्म निर्माण के गुर सीखने के लिए रमेश सिप्पी ने महज 6 साल की उम्र से सेट पर जाना शुरूकर दिया था। फिल्म श्शहंशाहश में रमेश सिप्पी ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट काम किया था। इस फिल्म में उनका सिर्फ एक शब्द 'मम्मी' था। इस फिल्म में बस यह शब्द कहने के लिए उनको साइन किया गया था। इस तरह से रमेश सिप्पी का इंडस्ट्री में पहला इंट्रोडक्शन हुआ था। लेकिन जब वह बड़े हुए, तो उनका रुझान फिल्म मेकिंग की तरफ हो गया।

एक्ट्रेस साधना की उठाई थीं चप्पलें

साल 1971 में रमेश सिप्पी ने फिल्म श्अंदाजश से बतौर डायरेक्टर डेब्यू किया था। इससे पहले रमेश सिप्पी ने फिल्म जौहर मेहमूद इन गोवाश और श्मेरे सनमश जैसी फिल्मों में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम किया। वहीं उन्होंने अपने पिता जीपी सिप्पी से भी डायरेक्टिंग के कुछ गुण सीखे। इस दौरान वह सारा काम किया करते थे। उन्होंने एक्ट्रेस साधना की चप्पलें तक भी उठाई हैं। पर्दे के पीछे रहकर रमेश सिप्पी ने शम्मी कपूर से लेकर राजेश खन्ना तक के साथ काम किया है।

इस फिल्म से हुए फेमस

बता दें कि रमेश सिप्पी ने वैसे तो कई तरह की फिल्में बनाई हैं, लेकिन उनको सबसे ज्यादा फिल्म 'शोले' के लिए याद किया जाता है। यह फिल्म आज भी लोग पसंद करते हैं। रमेश सिप्पी ने एक बार बताया था कि इस फिल्म को बनाने के लिए उनके पास बजट नहीं था। ऐसे में उनको यह फिल्म बनाने के लिए अपने पिता जीपी सिप्पी से पैसे लेने पड़े थे।

शाहिद कपूर स्टारर देवा के पोस्टर में छुपे हैं कहानी के अनकहे राज! इनसाइडर ने बताई खास बात

शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े स्टारर देवा अब बड़े पर्दे पर अपनी धमाकेदार एंट्री के लिए तैयार है। यह फिल्म शाहिद कपूर को एक बार फिर से एक्शन से भरपूर अंदाज में पेश कर रही है, और पूजा हेगड़े की मौजूदगी इसे और भी खास बना रही है। देवा का क्रेज बढ़ाने के लिए जी स्टूडियोज और रॉय कपूर फिल्म्स ने शानदार पोस्टर्स, एक धमाकेदार टीजर और पहला गाना भसड़ मचा जारी किया है, जिससे फैंस का उत्साह और भी बढ़ गया है। ट्रेलर ने पहले ही इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है, और इसके शानदार विजुअल्स और सीक्वेंस ने दर्शकों का एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। फिल्म के पहले लुक ने भी दर्शकों को आकर्षित किया, खासकर शाहिद कपूर के पीछे दिखाई दे रही महान अभिनेता अमिताभ बच्चन की ग्रैफिटी को देखकर। इस लुक को लेकर एक इंडस्ट्री इंसाइडर का कहना है कि यह ग्रैफिटी सिर्फ एक डिजाइन नहीं, बल्कि फिल्म की कहानी और टोन को रेखांकित करती है। शाहिद के रग्ड और रॉ लुक के साथ यह ग्रैफिटी दर्शकों को कुछ छुपे हुए संकेत देती है, जिससे फिल्म के प्लॉट को लेकर जिज्ञासा और बढ़ जाती है। फिल्म के डायरेक्टर रोशन एंड्रयूज ने इस ग्रैफिटी के महत्व को लेकर खुलासा किया। उन्होंने कहा, ष्मैं अमिताभ बच्चन का बहुत बड़ा फैन हूं, इसलिए मैंने फिल्म में उनकी ग्रैफिटी को शामिल करने का निर्णय लिया। यह ग्रैफिटी और उनका आभा फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब आप देवा देखेंगे, तो आपको समझ में आएगा कि यह एलिमेंट क्यों जरूरी है। देवा का ट्रेलर और गाना आते ही सोशल मीडिया पर छा गए हैं। फैंस इसके एक्शन और एक्साइटमेंट की भरपूर तारीफ कर रहे हैं, और शाहिद कपूर के पावरफुल कमबैक ने सभी की उम्मीदें और बढ़ा दी हैं। फिल्म का ट्रेलर एक मसाला एंटरटेनर की झलक पेश करता है, जिसमें हाई–एनर्जी एक्शन सीन्स और शाहिद–पूजा की बेहतरीन परफॉर्मेंस देखने को मिल रही है। मलयालम सिनेमा के प्रसिद्ध डायरेक्टर रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित देवा एक शानदार एक्शन थ्रिलर है, जिसे जी स्टूडियोज और रॉय कपूर फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 31 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, और दर्शकों को इस धमाकेदार फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।

बड़े संकट में सैफ अली खान.... पटौदी परिवार की 15,000 करोड़ रुपये की संपत्ति पर मंडरा रहा खतरा

> रिपोर्ट के मुताबिक, भोपाल में पटौदी परिवार की ऐतिहासिक संपत्तियां स्थित हैं, जिनकी अनुमानित कीमत १५,००० करोड़ रुपये है। इन संपत्तियों में फ्लैग स्टाफ हाउस, नूर-उस-सबा पैलेस, दार-उस-सलाम, हबीबी का बंगला, अहमदाबाद पैलेस, कोहेफिजा प्रॉपर्टी और अन्य संपत्तियां शामिल हैं।

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान के लिए हालात मुश्किल भरे नजर आ रहे हैं। एक तरफ हाल ही में हुए जानलेवा हमले के बाद वह अस्पताल से घर लौटे हैं, तो दूसरी ओर उनके पटौदी परिवार की 15,000 करोड़ रुपये की संपत्ति पर बड़ा संकट मंडरा रहा है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के हालिया फैसले के बाद भोपाल स्थित इन ऐतिहासिक संपत्तियों पर शत्रु संपत्ति अधिनियम, 1968 के तहत सरकार का दावा मजबूत हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, भोपाल में पटौदी परिवार की ऐतिहासिक संपत्तियां स्थित हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 15,000 करोड़ रुपये है। इन संपत्तियों में फ्लैग स्टाफ हाउस, नूर–उस–सबा पैलेस, दार–उस–सलाम, हबीबी का बंगला, अहमदाबाद पैलेस, कोहेफिजा प्रॉपर्टी और अन्य संपत्तियां शामिल हैं। खास बात यह है कि फ्लैग स्टाफ हाउस, जहां सैफ अली खान ने अपना बचपन बिताया था, भी इनमें से एक है। शत्रु संपत्ति अधिनियम, 1968 के तहत भारत सरकार उन संपत्तियों पर दावा कर सकती है, जिनके मालिक 1947 के बंटवारे के बाद पाकिस्तान चले गए थे। भोपाल के आखिरी नवाब हमीदुल्ला खान की सबसे बड़ी बेटी आबिदा सुल्तान 1950 में पाकिस्तान चली गईं, जबकि उनकी दूसरी बेटी साजिदा सुल्ताना भारत में रहीं और नवाब इफ्तिखार अली खान पटौदी से शादी की। यही कारण है कि साजिदा सुल्ताना कानूनी उत्तराधिकारी बनीं और उनकी संपत्ति सैफ अली खान और उनके परिवार को विरासत में मिली। हालांकि, आबिदा सुल्तान के पाकिस्तान जाने के कारण सरकार ने इन संपत्तियों पर शत्रु संपत्ति अधिनियम के तहत दावा किया है। साल 2014 में शत्रु संपत्ति विभाग के संरक्षक ने पटौदी परिवार की इन संपत्तियों को शत्रु संपत्ति घोषित करने का नोटिस जारी किया था। 2015 में सैफ अली खान ने इस फैसले को चुनौती दी और संपत्तियों पर स्टे ले लिया। लेकिन 13 दिसंबर 2024 को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी और न्यायाधिकरण में अपील दायर करने के लिए 30 दिन का समय दिया। अब तक सैफ अली खान या उनके परिवार ने इस मामले में कोई कदम नहीं उठाया है। यदि सैफ अली खान और उनका परिवार तय समयसीमा के भीतर कोई ठोस कानूनी कदम नहीं उठाता है, तो इन संपत्तियों पर शत्रु संपत्ति अधिनियम के तहत सरकार का अधिग्रहण संभव है। इससे न केवल उनकी विरासत पर सवाल खड़े होंगे बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी यह बड़ा झटका होगा।

धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व के कारण शिवभक्तों का पवित्र स्थल है ओंकारेश्वर

मध्यप्रदेश राज्य के खरगोन जिले में स्थित ओंकारेश्वर एक प्रमुख हिन्दू तीर्थ स्थल है। यह स्थल न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी जाना जाता है। ओंकारेश्वर भगवान शिव के एक प्रसिद्ध रूप, ओंकारेश्वर शिवलिंग के रूप में पूजा जाता है और यह स्थल देश भर से भक्तों को आकर्षित करता है। यहाँ के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व के कारण ओंकारेश्वर को भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है।

ओंकारेश्वर का इतिहास

ओंकारेश्वर का नाम श्ओंकारश (घ्कार) और श्ईश्वरश से लिया गया है, जिसका अर्थ है श्घ्श (ब्रह्मांड का प्रतीक) के रूप में भगवान शिव। इस स्थल का इतिहास बहुत पुराना है और यह महाभारत और पुराणों में भी वर्णित है। कहा जाता है कि भगवान शिव ने यहां पर अपनी पूजा के लिए एक दिव्य रूप में अवतार लिया था। ओंकारेश्वर का मंदिर प्राचीन काल से ही हिन्दू धर्म के अनुयायियों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल रहा है।

ओंकारेश्वर के प्रमुख आकर्षण

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिररू ओंकारेश्वर मंदिर, भगवान शिव के एक प्रमुख रूप ओंकारेश्वर के प्रतिष्ठित ज्योतिर्लिंग को समर्पित है। यह मंदिर नर्मदा नदी के किनारे स्थित है और भक्तों के लिए एक प्रमुख तीर्थ स्थल है। यहाँ आने वाले भक्त विशेष रूप से ओंकारेश्वर शिवलिंग की पूजा करते हैं, जिसे नर्मदा नदी के दर्शन के साथ पूजा जाता है। मंदिर का वास्तुशिल्प बहुत भव्य है और यहाँ का वातावरण अत्यधिक शांति और श्रद्धा से भरा हुआ होता है।

महाकालेश्वर मंदिरः ओंकारेश्वर मंदिर के समीप एक अन्य प्रसिद्ध स्थल महाकालेश्वर मंदिर है। यह भी भगवान शिव को समर्पित है और यहां पर विशेष पूजा–अर्चना की जाती है। महाकालेश्वर मंदिर को भी ज्योतिर्लिंगों में गिना जाता है। यह मंदिर शांति और ध्यान के लिए एक आदर्श स्थल है।

नर्मदा नदी और घाटः ओंकारेश्वर नर्मदा नदी के किनारे स्थित है और यहाँ के घाटों पर पूजा अर्चना करना एक विशेष अनुभव होता है। भक्तों के लिए नर्मदा नदी में स्नान करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। नदी के किनारे बैठकर सूर्यास्त का दृश्य देखना भी बहुत मनमोहक होता है।

ओंकार पर्वतः ओंकारेश्वर मंदिर के प्रमुख आकर्षणों में ओंकार पर्वत भी शामिल है, जो मंदिर से कुछ किलोमीटर दूर स्थित है। यहाँ पर स्थित एक शिला पर भगवान शिव के स्वरूप का चित्रण किया गया है। ओंकार पर्वत की चोटी से पूरे ओंकारेश्वर का खूबसूरत दृश्य देखा जा सकता है।

कांच मंदिर और अन्य छोटे मंदिरः ओंकारेश्वर में कई छोटे–छोटे मंदिर भी स्थित हैं, जिनमें कांच मंदिर प्रमुख है। इन मंदिरों का वास्तुशिल्प और भगवान शिव के प्रति श्रद्धा भक्तों को आकर्षित करते हैं।

ओंकारेश्वर का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व

ओंकारेश्वर का धार्मिक महत्व अत्यधिक है, क्योंकि इसे ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है। हिन्दू धर्म के अनुसार, भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंग पूरे भारत में स्थित हैं, जिनमें से ओंकारेश्वर एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यहां की यात्रा से भक्तों को मानसिक शांति, मुक्ति और पुण्य की प्राप्ति होती है। ओंकारेश्वर का स्थान शिवजी के प्रमुख मंदिरों में गिना जाता है और हर वर्ष यहां लाखों श्रद्धालु पूजा करने आते हैं।

ओंकारेश्वर का मौसम

ओंकारेश्वर का मौसम पूरे साल अच्छा रहता है।

गर्मियाँ (मार्च से जून)रू गर्मियों में तापमान बढ़ जाता है, लेकिन फिर भी नर्मदा नदी का ठंडा पानी और घाटों पर शांति बनाए रखते हैं।

मानसून (जुलाई से सितंबर)रू मानसून के मौसम में नर्मदा नदी में पानी का स्तर बढ़ जाता है और वातावरण में ताजगी होती है।

सर्दियाँ (नवंबर से फरवरी)रू सर्दियों में यहां का मौसम बहुत ही सुखद और ठंडा होता है, जो यात्रा के लिए सबसे उपयुक्त समय है।

ओंकारेश्वर कैसे पहुंचें

वायु मार्गः ओंकारेश्वर का नजदीकी हवाई अड्डा इंदौर में स्थित है, जो लगभग 77 किलोमीटर दूर है। इंदौर से ओंकारेश्वर के लिए टैक्सी और बस सेवाएं उपलब्ध हैं।

रेल मार्ग : ओंकारेश्वर का नजदीकी रेलवे स्टेशन ओंकारेश्वर रोड है, जो यहाँ से लगभग 12 किलोमीटर दूर स्थित है।

ब्लड शुगर से लेकर स्किन तक, कॉर्न है स्वास्थ्य का खजाना

बारिश के दिनों में भुट्टे की महक दूर तक महकती है और भारत में ज्यादातर लोगों की भुट्टा पहली पसंद हैं। लेकिन, क्या आप लोग जानते हैं मकई के खाने के चमत्कारी फायदों के बारे में? मक्का यानी कॉर्न एक स्वस्थ अनाज है, जो फाइबर, विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट का अच्छा स्रोत है। यह आंखों और पाचन स्वास्थ्य के लिए भी काफी फायदेमंद है। मक्का दुनिया के सबसे लोकप्रिय अनाजों में से एक है। इसे दुनिया भर में कई सारी किस्मों में उगाया जाता है। पॉपकॉर्न और स्वीट कॉर्न इसकी लोकप्रिय किस्में हैं। लोग इसे कई अलग–अलग तरीकों से खाना पसंद करते हैं। स्वाद में बेहतरीन यह अनाज गुणों अगर आपको ये जानकर हैरानी होगी कि मकई खाने से कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है।

पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है

मक्का में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो डाइजेस्टिव सिस्टम को स्वस्थ रखने में मदद करता है। यह कब्ज को दूर करता है और आंतों की सफाई में मदद करता है। अगर आप पाचन संबंधी समस्याओं से परेशान हैं, तो मक्का को अपने आहार में शामिल करें।

दिल के लिए अच्छा

मक्का में एंटीऑक्सीडेंट और अच्छे फैट्स होते हैं जो हृदय की सेहत को बनाए रखने में मदद करते हैं। यह खून की धमनियों को साफ रखने में मदद करता है, जिससे दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम होता है।

हड्डियों को मजबूत बनाता है

मक्का में मैग्नीशियम, फास्फोरस और जिंक जैसे मिनरल्स होते हैं, जो हड्डियों की सेहत को बनाए रखने में मदद करते हैं। नियमित रूप से मक्का खाने से हड्डियां मजबूत और स्वस्थ रहती हैं। मक्का में कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं, जो शरीर को एनर्जी देता हैं। यदि आपको जल्दी थकान महसूस होती है, तो मक्का आपके शरीर को ताजगी और एनर्जी देने में मदद करेगा। यह शरीर के लिए एक ताजगी का स्रोत है।

ब्लड शुगर कंट्रोल करें

अगर आप को हाई ब्लड शुगर से जूझ रहे हैं तो मकई के दाने आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकते हैं। फाइबर का एक अच्छा स्रोत होने की वजह कॉर्न ब्लड स्ट्रीम में शुगर के अब्जॉर्प्शन को कम करता है। इसकी वजह से डायबिटीज या प्रीडायबिटीज वाले लोगों में ब्लड शुगर के लेवल को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। इसी के साथ फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और विटामिन से समृद्ध स्रोत के तौर पर डायबिटीज में मकई को शामिल करने की सलाह दी जाती हैं। मकई का उपयोग कर डायबिटीज की समस्या में कुछ हद तक राहत पाई जा सकती है।

आंखों के लिए फायदेमंद

कॉर्न में ल्यूटिन और जेक्सैंथिन की अच्छी मात्रा पाई जाती है। यह दोनों कैरोटीनॉयड आंखों के लिए महत्वपूर्ण हैं। मकई में एंटीऑक्सीडेंट, ल्यूटिन और जैक्सैन्थिन भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। यह सभी गुण आंखों की रोशनी को बचाने में मदद करता है।

त्वचा को चमकदार बनाए

मक्का में विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट्स और अन्य पोषक तत्व होते हैं जो त्वचा की सेहत के लिए फायदेमंद हैं। यह झुर्रियों को कम करने में मदद करता है और त्वचा को निखारता है। मक्का खाने से आपकी त्वचा में निखार आएगा और वह अधिक ग्लोइंग दिखेगी।

कैंसर का खतरा कम करे

कॉर्न में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके सेल्स को डैमेज होने से बचाते हैं, जो कैंसर का खतरा बन सकते हैं। मक्के में कैरोटीनॉयड भी होता है, जिसमें कैंसर रोधी गुण पाए जाते हैं।

वजन घटाने में मदद करता है

मक्का में उच्च फाइबर की मात्रा होती है, जो लंबे समय तक पेट को भरा रखता है। यह भूख को नियंत्रित करता है, जिससे आप ज्यादा कैलोरी लेने से बच सकते हैं। यह वजन घटाने के प्रयासों में सहायक हो सकता है।

इसे अपने डाइट में शामिल कर आप अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल का कितना समअमस बढ़ने पर हार्ट अटैक का खतरा बढ़ सकता है?

कोलेस्ट्रॉल हमारे शरीर के लिए एक आवश्यक पदार्थ है, जो कोशिकाओं के निर्माण, हार्मोन बनाने और अन्य शारीरिक कार्यों के लिए जरूरी होता है। हालांकि, अगर इसका स्तर शरीर में ज्यादा बढ़ जाए तो यह दिल और रक्तवाहिकाओं के लिए खतरे का कारण बन सकता है, जिससे हार्ट अटैक का जोखिम भी बढ़ सकता है। इसलिए यह जानना जरूरी है कि कितना कोलेस्ट्रॉल आपके शरीर में सुरक्षित है और इसे नियंत्रित करने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं

एलडीएल (लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन) इस 'खराब कोलेस्ट्रॉल' कहा जाता है क्योंकि यह रक्त वाहिकाओं में जमकर उन्हें संकुचित करता है, जिससे ब्लड सर्कुलेशन में रुकावट आ सकती है। ज्यादा एलडीएल कोलेस्ट्रॉल के कारण दिल की बीमारियां और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ सकता है।

एचडीएल (हाई डेंसिटी लिपोप्रोटीन) इसे अच्छा कोलेस्ट्रॉल कहा जाता है क्योंकि यह शरीर से अतिरिक्त कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे दिल की सेहत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

हार्ट अटैक के खतरे को बढ़ाने वाला कोलेस्ट्रॉल स्तर

विशेषज्ञों के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति का कुल कोलेस्ट्रॉल स्तर 200 मिलीग्राम प्रति डेसीलिटर (एमजी–डीएल) से ज्यादा होता है, तो उसे कोलेस्ट्रॉल से संबंधित समस्याएं होने का खतरा बढ़ सकता है। हालांकि, एलडीएल कोलेस्ट्रॉल का स्तर 100 एमजी–डीएल से कम होना चाहिए। यदि यह स्तर 160 एमजी–डीएल से अधिक हो जाए तो हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।

साथ ही, एचडीएल कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम से कम 40 एमजी–डीएल होना चाहिए। अगर यह 40 एमजी–डीएल से कम है, तो यह दिल की सेहत के लिए खतरे का संकेत हो सकता है।

कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण के लिए जरूरी टिप्स

संतुलित आहार अपनाएं

स्वस्थ आहार कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने के लिए सबसे प्रभावी तरीका है। अपने आहार में अधिक फाइबर, फल, सब्जियां, ओमेगा–3 फैटी एसिड और अनसैचुरेटेड फैट्स को शामिल करें। यह आपको एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करेगा। इससे भी ज्यादा, लाल मांस, तला–भुना भोजन, और प्रोसेस्ड फूड्स से बचें क्योंकि इनमें ज्यादा संतृप्त वसा होती है, जो कोलेस्ट्रॉल बढ़ा सकती है।

व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें

नियमित शारीरिक गतिविधि कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने का एक बेहतरीन तरीका है। व्यायाम करने से एचडीएल कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है और एलडीएल कोलेस्ट्रॉल कम होता है। सप्ताह में कम से कम 150 मिनट का मध्यम व्यायाम जैसे तेज चलना, साइकिल चलाना या तैराकी करें। यह आपके दिल की सेहत को भी बेहतर बनाए रखेगा।

वजन को नियंत्रित करें

अत्यधिक वजन या मोटापा कोलेस्ट्रॉल स्तर को बढ़ा सकता है, जिससे दिल की समस्याएं हो सकती हैं। अपने वजन को नियंत्रित रखने के लिए स्वस्थ आहार और नियमित व्यायाम करें। वजन घटाने से न केवल कोलेस्ट्रॉल में सुधार होता है बल्कि इससे अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी कम हो सकती हैं।

धूम्रपान और शराब से दूर रहें

धूम्रपान और अत्यधिक शराब का सेवन आपके कोलेस्ट्रॉल स्तर को बढ़ा सकता है। धूम्रपान से एचडीएल (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) कम हो जाता है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ता है। शराब का अधिक सेवन भी कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने का कारण बन सकता है। इसलिए, इन दोनों से बचना चाहिए।

दवाइयों का उपयोग

अगर आपका कोलेस्ट्रॉल बहुत अधिक हो और लाइफस्टाइल बदलाव से कोई फर्क न पड़े, तो डॉक्टर आपके लिए दवाइयां भी लिख सकते हैं। स्टेटिन जैसी दवाइयां एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करती हैं। हालांकि, दवाइयों का सेवन केवल डॉक्टर की सलाह पर ही करना चाहिए।

तनाव को कम करें

ज्यादा तनाव भी शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को प्रभावित कर सकता है। तनाव के कारण शरीर में कोर्टिसोल जैसे हार्मोन का स्तर बढ़ सकता है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को प्रभावित करता है। योग, ध्यान, और गहरी सांसों की तकनीकें तनाव को कम करने में मदद कर सकती हैं, जिससे कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित हो सकता है।

कोलेस्ट्रॉल का स्तर यदि नियंत्रित न किया जाए तो यह दिल की सेहत को प्रभावित कर सकता है और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ा सकता है। कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने के लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, वजन को नियंत्रित रखना, और धूम्रपान और शराब से बचना जरूरी है। इसके अलावा, दवाइयों और तनाव प्रबंधन के उपायों के माध्यम से भी कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित किया जा सकता है। यदि आप इन उपायों का पालन करते हैं, तो आप अपने दिल को स्वस्थ और सुरक्षित रख सकते हैं।

फिट और हेल्दी रहने के लिए इन 3 आसान तरीकों को फॉलों करें, सेहत रहेगी जबरदस्त

खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान की वजह से आजकल बीमारियां बढ़ती ही जा रही है। ऐसे में अपनी हेल्थ का ध्यान रखना भी काफी जरुरी होता है। इंस्टाग्राम पर न्यूट्रिशनिष्ट अंजली मुखर्जी ने बताया है कि आप कैसे सिंपल तरीके से खुद को फिट और हेल्दी रख सकते हैं। रोजाना आपको 3 कामों को जरुर करना चाहिए।

प्रोटीन खाएं

रोजाना अपनी मील में प्रोटीन की मात्रा जरुर रखें। यह आपकी इम्यूनिटी बूस्ट करने में मदद करती है। इसके साथ ही शरीर से टॉक्सिंस को भी बाहर निकालता है। हाई प्रोटीन डाइट इनटेक करने से हाई बीपी, ब्लड शुगर और हार्ट से जुड़ी बीमारियां को हील करनें में मदद करता है और नाखून से लेकर बालों को हेल्थ के लिए भी अच्छा होता है।

एक घंटा वॉक जरुर करें

यदि आप हेल्दी रहना चाहते हैं, तो रोजाना एक घंटे की वॉक जरुर करें। ये ना केवल आपके ज्वाइंट्स को लचीला बनाकर

रखेगा बल्कि डाइजेशन को भी सही रखने में मदद करेगी। इसके साथ ही मेटाबॉलिज्म बूस्ट करने और वजन को कंट्रोल रखने में मदद करता है।

खूब पानी पिएं

पूरे दिन इतना पानी पिएं कि शरीर पूरी तरह से हाइड्रेटेड रहे। पानी पीने से शरीर के टॉक्सिंस आसानी से निकलते हैं, कब्ज नहीं होती और बॉडी के फंक्शन आसानी से पूरे होते हैं। इसके साथ ही टेक्सचर भी इंप्रूव होता है।

संक्षिप्त

एप्पल, ओला और उबर को केंद्र सरकार को जारी किया नोटिस, जानें क्या है पूरा मामला

उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने आईओएस 18 सॉफ्टवेयर अपडेट के बाद आईफोन के साथ कथित प्रदर्शन मुद्दों पर एप्पल इंक को नोटिस जारी किया है। जोशी ने एक्स पर लिखा कि विभाग ने इन शिकायतों की जांच करने के बाद सीसीपीए के माध्यम से एप्पल को नोटिस जारी कर इस मामले पर जवाब मांगा है। नोटिस में iPhones पर सॉफ़्टवेयर अपडेट के बाद रिपोर्ट की गई तकनीकी समस्याओं पर Apple से स्पष्टीकरण मांगा गया है। विशेष रूप से, प्रदर्शन के मुद्दों के संबंध में शिकायतें राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर प्राप्त हुई हैं। वहीं, प्रह्लाद जोशी ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने कैब सेवा प्रदाता ओला तथा उबर को उपयोगकर्ता के मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम एंड्रॉयड या आईओएस के आधार पर एक ही जगह की यात्रा के लिए कथित रूप से अलग–अलग मूल्य निर्धारण के लिए को नोटिस जारी किया है। जोशी ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, ''उपभोक्ता मामलों के विभाग ने सीसीपीए के माध्यम से प्रमुख कैब चालकों ओला और उबर को नोटिस जारी कर अलग–अलग मोबाइल (आईफोन और एंड्रायड) के जरिये एक ही जगह की बुकिंग के लिए अलग–अलग भुगतान लेने पर उनसे जवाब मांगा है।'' जोशी ने पिछले महीने'उपभोक्ता शोषण को कतई बर्दाश्त नहीं करने' की बात कही थी और सीसीपीए से इन आरोपों की गहन जांच करने को कहा था। उन्होंने ऐसी गतिविधियों को प्रथम दृष्टया अनुचित व्यापार व्यवहार तथा उपभोक्ताओं के पारदर्शिता के अधिकार की 'घोर अवहेलना' बताया था।

रुपया शुरुआती कारोबार में पांच पैसे की गिरावट के साथ 86.40 प्रति डश्वलर पर

रुपया बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में पांच पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.40 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट तथा घरेलू शेयर बाजारों में तेजी के रुख ने स्थानीय मुद्रा में गिरावट को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया पिछले बंद भाव के मुकाबले 11 पैसे की गिरावट के साथ 86.46 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 86.52 प्रति डॉलर पर आ गया। हालांकि, शेयर बाजार में तेजी आने से इसमें कुछ सुधार हुआ और यह बुधवार के बंद स्तर से पांच पैसे की गिरावट के साथ 86.40 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.35 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 108.25 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 78.73 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 4,026.25 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

सेबी के नए दिशा निर्देशों के बाद कुछ इक्विटी शोध कंपनियां बंद कर रहीं अपना कारोबार

नयी दिल्ली । शोध विश्लेषकों (आरए) पर आए सेबी के नए दिशानिर्देशों के कारण अनुपालन एवं परिचालन जरूरतें बढ़ने से कई इक्विटी अनुसंधान कंपनियों को अपना कामकाज समेटने की सार्वजनिक रूप से घोषणा करनी पड़ रही है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने प्रतिभूति बाजार में धोखाधड़ी से शेयरों की सिफारिशें करने और अवैध तौर–तरीकों पर अंकुश लगाने के लिए आठ जनवरी को अनुसंधान विश्लेषकों

के लिए दिशानिर्देश जारी किए थे। इन दिशानिर्देशों के मुताबिक, अनुसंधान कंपनियों को ग्राहक संपर्कों का रिकार्ड रखने, अनुपालन ऑडिट करने और अपने ग्राहक को जानो (केवाईसी) प्रक्रियाओं का पालन करने जैसे कठोर उपायों का अनुपालन करना जरूरी हो गया है। इन जरूरतों के कारण छोटी आरए फर्मों के लिए परिचालन लागत बढ़ गई है। इसका नतीजा यह हुआ है कि सेंटिनल रिसर्च, स्टालवार्ट एडवाइजर्स और मिस्टिक वेल्थ जैसी कुछ आरए फर्मों ने परिचालन और अनुपालन बोझ का हवाला देते हुए अपनी शोध सेवाएं बंद करने की योजना की घोषणा कर दी है। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, नए दिशानिर्देशों ने व्यक्तियों के लिए आरए के रूप में पंजीकृत होने की सीमा को उल्लेखनीय रूप से घटा दिया है, जिससे नए लोगों के लिए इस पेशे में प्रवेश करना आसान हो गया है। हालांकि, स्थापित आरए के लिए इन दिशा–निर्देशों ने अनुपालन और परिचालन जरूरतो को बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों का मानना घ्है कि सेबी के नए नियम बहुत सख्त हैं और इनसे बाजार में अनुसंधान की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। फिनसेक लॉ एडवाइजर्स के संस्थापक संदीप पारेख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सेबी 'अपने नियमों में बहुत आगे जा रही है और बाजार से सक्षम और ईमानदार सलाहकारों एवं शोधकर्ताओं को बाहर कर रही है।'

रणजी ट्रॉफी: रोहित शर्मा से लेकर शुभमन गिल तक रणजी ट्रॉफी में हुए फेल, शार्दुल ठाकुर उतरे उम्मीदों पर खरे

रणजी ट्रॉफी 2024–25 के इस सीजन में जम्मू–कश्मीर के सामने मुंबई ढेर हो गई। लेकिन शार्दुल ठाकुर ने अर्धशतकीय पारी खेलकर मुंबई का स्कोर 100 के पार पहुंचाने का काम किया। अगर शार्दुल ये पारी नहीं खेलते तो मुंबई का हाल और भी बुरा हो सकता है। इस मैच में मुंबई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज करने का फैसला किया था, लेकिन मुंबई के बल्लेबाजों ने जम्मू कश्मीर के गेंदबाजों के सामने घुटने टेक दिए। मुंबई की टीम महज 120 रन पर ही सिमट गई। मुंबई को इतने कम स्कोर पर समटने में जम्मू–कश्मीर के गेंदबाज उमर नजीर और युद्धवीर सिंह की बड़ी भूमिका रही। जम्मू–कश्मीर के खिलाफ इस मैच की पहली पारी में मुंबई के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 57 गेंदों पर 2 छक्के और 5 चौकों की मदद से 51 रन की पारी खेली और वो इस टीम के बेस्ट स्कोरर भी रहे। इसके अलावा तनुष कोटियान ने आखिरी समय पर 26 रन की अहम पारी खेली और इनकी बल्लेबाजी के दम पर मुंबई का स्कोर 120 रन तक पहुंच पाया। इस दौरान मैच में रोहित शर्मा 3 तो यशस्वी जायसवाल 4 रन पर आउट हो गए।

दूसरी तरफ रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल के अलावा टीम इंडिया के अन्य स्टार खिलाड़ी शुभमन गिल, ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी भी घरेलू मैचों में फेल साबित हुए। पंजाब की कप्तानी करने वाले शुभमन गिल का तो हाल ही बुरा रहा। उनकी पूरी टीम कर्नाटक के खिलाफ महज 55 रनों पर ही सिमट गई। तो दिल्ली की ओर से खेलते हुए ऋषभ पंत का बल्ला भी नहीं चला। सौराष्ट्र के खिलाफ मैच में वह महज एक रन ही बना पाए। धमेंद्र जडेजा ने उनको अपना शिकार बनाया।वहीं जम्मू–कश्मीर के खिलाफ यशस्वी जायसवाल, रोहित शर्मा और अजिंक्य रहाणे के बाद भारत के दो इंटरनेशनल खिलाड़ी श्रेयस अय्यर और शिवम दुबे भी कुछ खास नहीं कर सके। अय्यर 11 तो शिवम दुबे बिना खाता खोले ही पवेलियन लौटे।

अंडर-19 विमेंस टी20 वर्ल्ड कप: भारत ने श्रीलंका को 60 रनों से दी मात, तृशा ने की दमदार बल्लेबाजी

टीम इंडिया ने अंडर–19 विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2025 के मुकाबले में श्रीलंका को बुरी तरह से हराया है और भारत ने 69 रनों से मुकाबला अपने नाम किया। टीम इंडिया के लिए गोंगाडी तृषा ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। उन्होंने 49 रन बनाए। भारत ने श्रीलंका को जीत के लिए 119 रनों का लक्ष्य दिया था जिसके जवाब में श्रीलंकाई टीम 58 रन ही बना सकी।

भारत की वीमेंस अंडर 19 टीम ने कमाल कर दिया है। टीम इंडिया ने अंडर–19 विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2025 के मुकाबले में श्रीलंका को बुरी तरह से हराया है और भारत ने 69 रनों से मुकाबला अपने नाम किया। टीम इंडिया के लिए गोंगाडी तृषा ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। उन्होंने 49 रन बनाए। भारत ने श्रीलंका को जीत के लिए 119 रनों का लक्ष्य दिया था जिसके जवाब में श्रीलंकाई टीम 58 रन ही बना सकी। वहीं आयुषी शुक्ला ने भारत के लिए एक विकेट अपने नाम किया। वहीं भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 118 रन बनाए। इस दौरान तृषा और कमलिनी ओपनिंग करने पहुंची। लेकिन कमलिनी कुछ खास नहीं कर सकीं और 5 रन बनाकर अपना विकेट गंवा बैठी। जबकि तृषा ने कमाल की पारी खेली। उन्होंने 5 चौकों और 1 छक्के की मदद से 49 रन बनाए। सनिका चाल्के खात तक नहीं खोल पाईं। कप्तान निकी प्रसाद 11 रन बनाकर आउट हो गईं। उन्होंने 2 चौके लगाए। मिथिला विनोद ने 16 रनों का योगदान दिया। जबकि जोशिथा ने 14 रन बनाए। श्रीलंका की विमेंस अंडर 19 टीम भारत के लिए दिए लक्ष्य का पीछा करते हुए 58 रन ही बना सकी। ओपनर संजना 5 रन बनाकर आउट हुईं तो निसंसला खाता तक नहीं खोल पाईं। कप्तान मनुडी ननयकारा 2 रन बनाकर आउट हुईं। हिरुनी हंसिका भी 2 रन बनाकर आउट हुईं। इस दौरान भारत के लिए शबनम ने घातक गेंदबाजी की, उन्होंने 4 ओवरों में 9 रन देकर 2 विकेट लिए। परुनिका और जोशिथा ने भी 2–2 विकेट झटके।

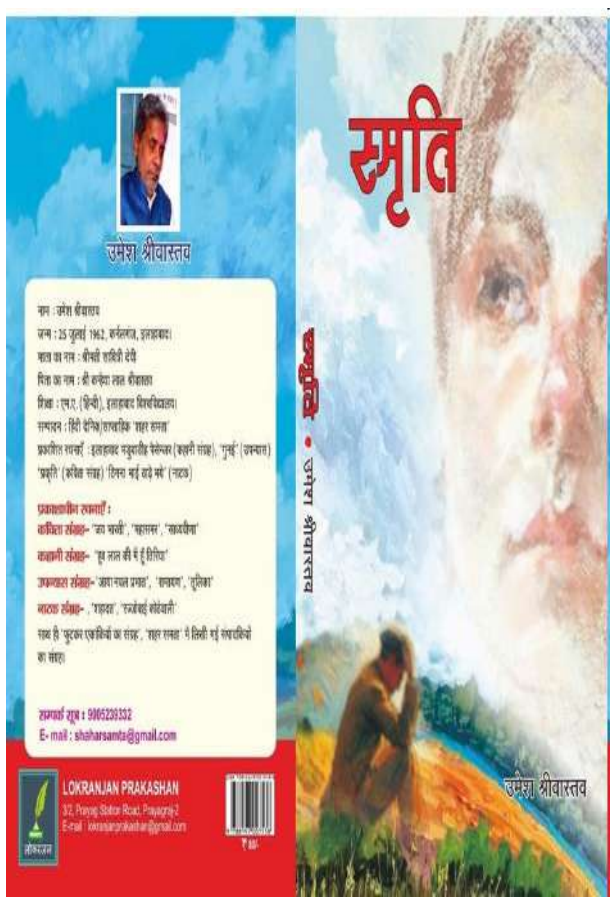

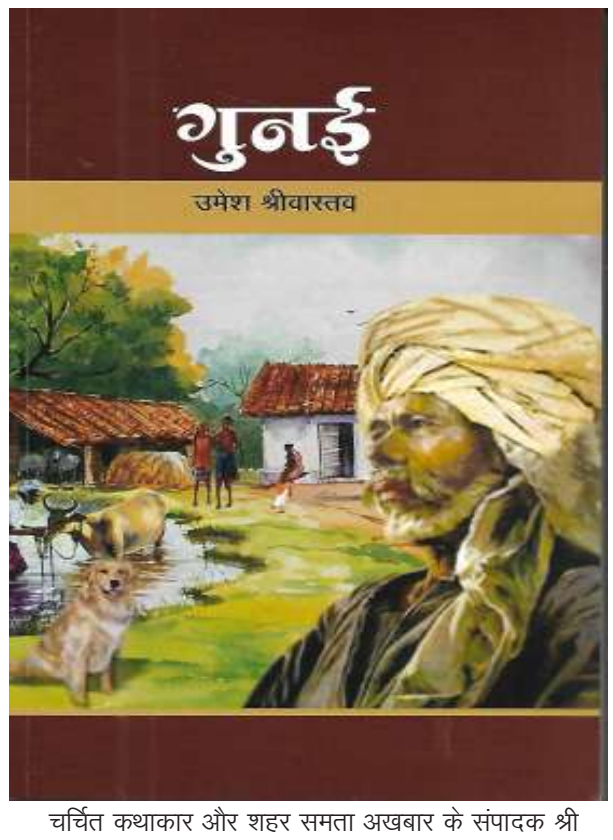

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

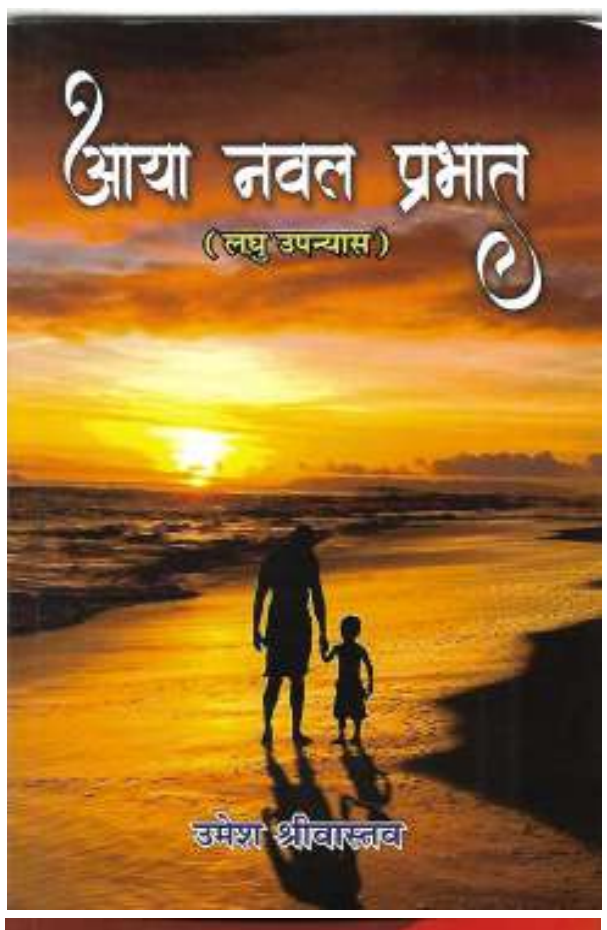

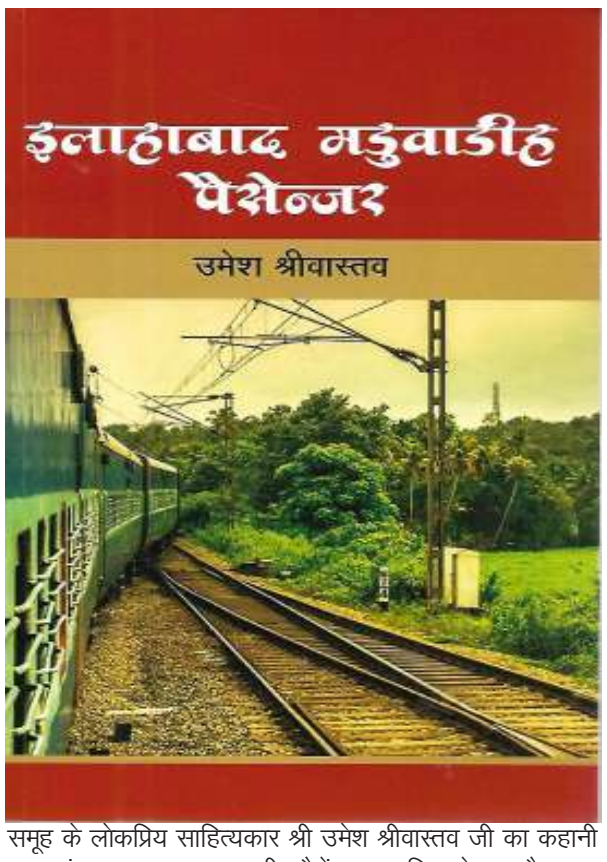

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

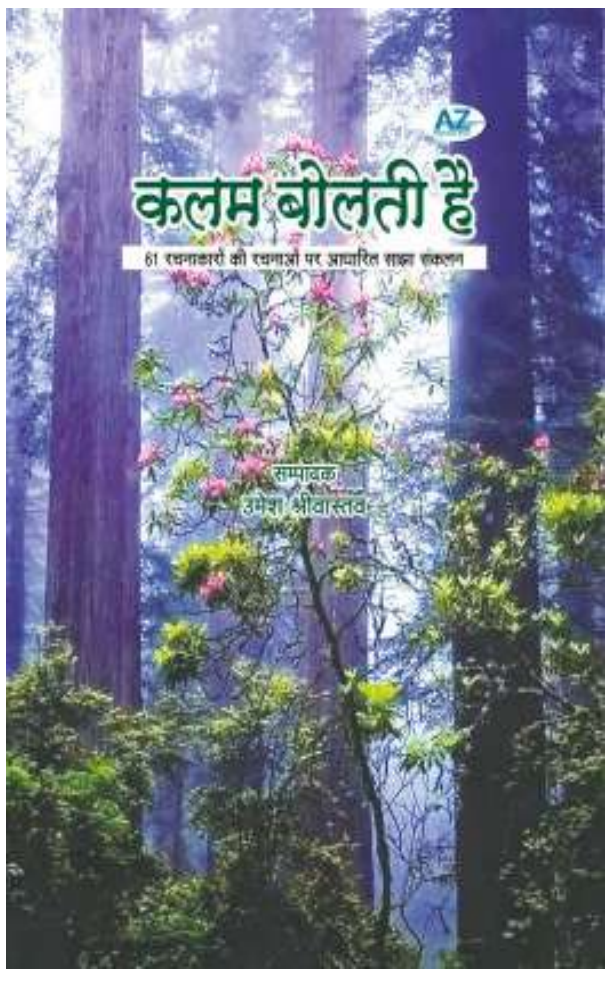

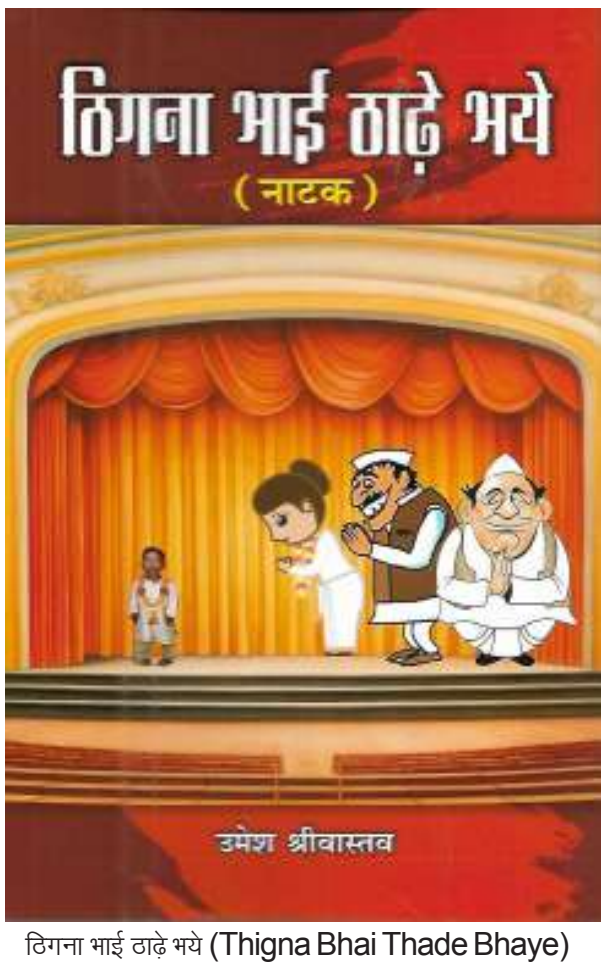

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

ओसामा का दोस्त हो गया रिहा, ट्रंप के इस कदम से झूम उठा तालिबान

अमेरिका ने ओसामा बिन लादेन के सबसे करीबी और सबसे खास दोस्त को रिहा कर दिया है। अमेरिका की तरफ से ये फैसला दो अमेरिकी नागरिकों को तालिबान की कैद से छोड़ने से छुड़ाने के लिए लिया गया। खान मोहम्मद को क्वांटनामो जेल से रिहा कर दिया गया। मोहम्मद खान को अमेरिकी अदालत ने मादक पदार्थ तस्करी और आतंकवाद के आरोप में दोषी ठहराया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार खान मोहम्मद को रिहा करने के बाद काबुल ले जाया गया है। मोहम्मद को 2008 में अमेरिकी अदालत ने आजीवान करावास की सजा सुनाई थी। खान ने हुर्रियत से एक वीडियो इंटरव्यू में कहा कि उसे 16 जनवरी को जेल से रिहा कर दिया गया था। उसने कहा कि इस्लामिक अमीरात के समर्थक और मदद से उसे रिहा किया गया है। वहीं दूसरी ओर तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा कि दो अमेरिकी नागिरकों को रिहा किया गया था। इस्लामिक अमीरात के बयान में कहा गया कि वो अमेरिका की उन कार्यवाईयों को सकारात्मक रूप से देखता है जो दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने और विस्तार करने में योगदान देती हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति के रूप में जो बाइडन का कार्यकाल खत्म होने और डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति का कार्यभार संभालने के बीच यह घटनाक्रम सामने आया है। तालिबान ने कैदियों की इस अदला–बदली की प्रशंसा करते हुए इसे अमेरिका और अफगानिस्तान के बीच संबंधों के सामान्य बनाने की दिशा में एक कदम बताया। हालांकि, दुनिया के अधिकतर देश अभी भी तालिबान के शासन को मान्यता नहीं देते हैं। माना जाता है कि दो अन्य अमेरिकी अभी भी अफगानिस्तान में बंधक हैं। इस अदला–बदली के लिए वार्ता में अमेरिका, तालिबान और कतर शामिल थे। काबुल में तालिबान के विदेश मंत्रालय ने अदला बदली की पुष्टि करते हुए कहा कि अमेरिकी नागरिकों को खान मोहम्मद नामक कैदी के बदले में छोड़ा गया है। मोहम्मद को दो दशक पहले पूर्वी अफगानिस्तान के प्रांत नांगरहार में गिरफ्तार किया गया था और वह कैलिफोर्निया की जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। तालिबान द्वारा बंधक बनाए गए अमेरिकी नागरिक रयान कॉर्बेट के परिवार ने एक बयान में पुष्टि की कि उसे रिहा कर दिया गया है। अमेरिकी नागरिक विलियम मैकेंटी को भी रिहा किया गया है। हालांकि उसके बारे में कोई विवरण सामने नहीं आया है। तालिबान विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता हाफिज जिया अहमद तकाल ने कहा कि मोहम्मद अफगानिस्तान पहुंच गया है और अपने परिवार के साथ है। मंत्रालय ने कहा कि यह अदला–बदली अमेरिका के साथ लंबे समय तक चली सकारात्मक बातचीत का परिणाम है और संवाद के माध्यम से समस्याओं को हल करने का यह एक अच्छा उदाहरण है।

संक्षिप्त

अब लॉस एंजिल्स में इस जगह लगी आग, तत्काल लोगों को मिले घर खाली करने के आदेश

लॉस एंजिल्स के जंगल फिर से आग में धधकने लगे है। लॉस एंजिल्स के उत्तर में कास्टिक झील है, जिसके पास में जंगल है। इस जंगल में फिर से आग लग गई है। इस आग के कारण स्थानीय 31 हजार लोगों को अपना घर खाली करना पड़ा है। ये आग काफी बड़ी है और तेजी से फैल रही है। कुछ

ही घंटों में ये आग 8000 एकड़ के इलाके में फैल चुकी है। ये सारा इलाका जल चुका है। ये आग सुखी हुई झाड़ियों और तेज हवा के कारण तेजी से फैलती जा रही है, जिसपर काबू पाना मुश्किल होता जा रहा है। जानकारी के मुताबिक ये आग कास्टिक झील, सांता क्लैरिटा के पास लगी हुई है। इस कारण 31 हजार लोगों को घर खाली करने के निर्देश दिए गए है। वहीं इलाके के कुछ हिस्सों को बंद कर दिया गया है। कैलिफॉर्निया फायर विभाग के कर्मचारी और एंजिल्स नेशनल फॉरेस्ट के कर्मचारी लगातार इस आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे है। इस आग को बुझाने के लिए हेलीकॉप्टर और विशाल विमान घटनास्थल पर पानी गिरा रहे है। इसके साथ ही रिटार्डेंट भी गिराया जा रहा है।

जारी हुए निर्देश

जंगल में लगी आग के बाद स्थानीय लोगों को निर्देश दिए गए हैं कि वो घर को छोड़ दें। आम जनता को घर खाली करने के लिए इमरजेंसी अलर्ट जारी किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वो बस अपने घर को जलने नहीं देना चाहते है। बता दें कि तेज हवाओं, कम नमी और सूखी झाड़ियों के कारण ये आग लगी है। इन कारणों से ही ये आग तेजी से फैल रही है। तेज हवाओं के कारण हेलीकॉप्टर की उड़ान पर असर देखने को मिल सकता है। ये आग उन इलाकों पर भी फैल सकती है जहां सूखा क्षेत्र है। ऐसे में आग के फैलने का खतरा बना हुआ है।

इजरायल–हमास के सीजफायर के बीच हूतियों ने उठाया बड़ा कदम, 2023 से बंधक बनाए 25 लोगों को किया रिहा

यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने एक साल से अधिक समय तक कैद में रहने के बाद व्यापारी जहाज गैलेक्सी लीडर के 25 सदस्यीय चालक दल को रिहा कर दिया। बहामास–ध्वजांकित जहाज को हूतियों द्वारा लाल सागर में यमनी तट से पकड़ लिया गया था। चालक दल के सदस्यों को ओमान को सौंप दिया गया। हूतियों ने इस बात पर जोर दिया कि रिहाई इजरायल और फिलिस्तीनी सशस्त्र समूह हमास के बीच गाजा युद्ध में युद्धविराम के साथ समन्वय का हिस्सा है। विद्रोही संगठन के सुप्रीम पॉलिटिकल काउंसिल ने कहा कि क्रू की रिहाई गाजा के साथ हमारी एकजुटता और युद्धविराम समझौते के समर्थन के अंतर्गत की गई है। जहाज के मालिक गैलेक्सी मैरीटाइम की रिपोर्ट के अनुसार, जहाज के चालक दल में बुल्गारिया, यूक्रेन, फिलीपींस, मैक्सिको और रोमानिया के 25 लोग शामिल हैं। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बात पर विचार कर रहे हैं कि वह फिर इस संगठन को आतंकवादी समूह की श्रेणी में शामिल कर दें। पिछले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने हूती को आतंकवादी संगठन की श्रेणी से बाहर कर दिया था। हालांकि ओमानी रॉयल एयर फोर्स के एक जेट विमान ने पहले यमन के लिए उड़ान भरी और हूती की घोषणा के लगभग एक घंटे बाद फिर उड़ान भरी। हूती विद्रोहियों ने कहा कि हमास की ओर से भी जहाज के चालक दल के 25 सदस्यों को रिहा करने को लेकर आग्रह किया गया था। चालक दल के सदस्यों में फिलीपीन, बल्गारिया, रोमानिया, यूक्रेन और मैक्सिको के नागरिक शामिल हैं। हूती बलों ने 19 नवंबर, 2023 को गैलेक्सी लीडर पर कब्जा कर लिया। यह गाजा पर इजरायली आक्रमण शुरू होने के तुरंत बाद हुआ। हौथी सेनाएं समुद्र में गैलेक्सी लीडर पर सवार हो गईं और उसे उत्तरी यमन में हौथी–नियंत्रित होदेइदाह बंदरगाह तक ले गईं।

अमेरिका से वापस भेजे जाएंगे बिना कागज वाले 20 हजार भारतीय? आया एस जयशंकर का अहम बयान

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत बिना दस्तावेज वाले भारतीय प्रवासियों की उनके गृह देश में वैध वापसी के लिए हमेशा खुला रहा है। एस जयशंकर ने यह भी कहा कि सरकार अभी भी अमेरिका से उन लोगों की पुष्टि करने की प्रक्रिया में है जिन्हें भारत भेजा जा सकता है और उन्होंने कहा कि उन्होंने अभी तक कोई संख्या निर्धारित नहीं की है। एक सरकार के रूप में, हम स्पष्ट रूप से कानूनी गतिशीलता के बहुत समर्थक हैं क्योंकि हम वैश्विक कार्यस्थल में विश्वास करते हैं। हम चाहते हैं कि भारतीय प्रतिभा और भारतीय कौशल को वैश्विक स्तर पर अधिकतम अवसर मिले। जयशंकर ने संवाददाताओं से कहा हम अवैध गतिशीलता और अवैध प्रवासन का भी दृढ़ता से विरोध करते हैं। मंत्री उन खबरों के बारे में पूछे गए प्रश्न का जवाब दे रहे थे जिनमें कहा गया था कि भारत डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के साथ मिलकर अमेरिका में लगभग 1,80,000 भारतीयों की वापसी पर काम कर रहा है, जिनके पास या तो कोई दस्तावेज नहीं है या वे अपने वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी वहां रह रहे हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

पाकिस्तान को मिटा देंगे...भारत अकेला नहीं, अमेरिका के नए विदेश मंत्री का आक्रमक अंदाज

अमेरिका से आई खबर पाकिस्तान की बर्बादी का सबूत सरीखा है। शपथ लेते नजर आए शख्स अमेरिका के नए विदेश मंत्री मार्को रूबियो हैं। शपथ लेते ही मार्को रूबियो ने अपना असली रंग दिखाना शुरू कर दिया। मार्को रूबियो शपथ लेते ही सबसे पहले भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करने पहुंच गए। ये अमेरिकी विदेश मंत्री की पहली आधिकारिक मुलाकात थी, जो उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री से की है। अमेरिकी विदेश मंत्री को एस जयशंकर से मिलता देख पाकिस्तानियों ने मार्को रूबियो के बारे में सर्च करना शुरू कर दिया। लेकिन इस सर्च के जो रिजल्ट आए उसने पाकिस्तान के होश उड़ा दिए। मार्को रूबियो का इतिहास ये है कि वो कट्टर भारत समर्थक हैं और पाकिस्तान के धुर विरोधी। पिछले साल ही जुलाई में मार्को रूबियो ने भारत और अमेरिका के संबंधों को मजबूत करने के लिए अपनी संसद में बिल पेश किया था। इन्हीं मार्को रूबियो ने अमेरिकी संसद में खड़े होकर पाकिस्तान को बर्बाद करने की कसम खाई थी। रूबियो ने कहा था कि अमेरिका को पाकिस्तान की सारी मदद रोक देनी चाहिए। पाकिस्तान को सजा देने के लिए मार्को रूबियो अमेरिकी संसद में एक बिल भी ला चुके हैं। मार्को रूबियो का कहना है कि पाकिस्तान में बैठे कट्टर इस्लामिक लोग अमेरिका से नफरत करते हैं। मार्को रूबियो का मानना है कि ये अमेरिका की कमी है कि वो आतंक फैला रहे पाकिस्तान की गलतियों को नजरअंदाज कर रहा है। मार्को रूबियो ने कहा था कि पाकिस्तान में इसाईयों, हिंदुओं, अहमदियाओं और शिया मुसलमानों पर हमले हो रहे हैं। हमें ये बात समझनी होगी कि या तो कट्टरपंथी जितेंगे या हम। पाकिस्तान को खरी खोटी सुनाने वाले मार्को रूबियो ने कहा था कि हमें भारत को उतनी ही शक्ति और सम्मान देना होगा। हमें भारत को टेक्नोलॉजी ट्रांसफर भी करनी चाहिए। उन्होंने पहले ही साफ कर दिया था कि अगर पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ आतंकवाद को प्रायोजित करने के सबूत मिलते हैं तो अमेरिका उसे सुरक्षा सहायता देने पर प्रतिबंध लगा देगा। उन्होंने ये भी कहा था कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत अकेला नहीं है। अमेरिका अपने साझेदारों की संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा के लिए उनका समर्थन करेगा। रूबियो ने तो यहां तक कह दिया था कि अगर भारत रूस से हथियार खरीदता है तो उसे ऐसा करने देना चाहिए। हमें भारत को प्रतिबंधों की धमकी नहीं देनी चाहिए। अब यही मार्को रूबियो शपथ लेने के बाद सबसे पहले भारत से मिले।

डीओजीई की स्थापना के 69 दिनों बाद ही रामास्वामी क्यों हो गए आउट ? एलन मस्क और H1B Visa का क्या है कनेक्शन

अमेरिका के 'डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी' (DOGE) का जिम्मा अब सिर्फ एलन मस्क के हाथों में होगा। कहा जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सबसे नए विश्वासपात्र एलन मस्क ने विवेक रामास्वामी को डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) टीम से उसकी स्थापना के 69 दिन बाद ही बाहर का रास्ता दिखा दिया है। विवेक रामास्वामी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की अध्यक्षता नाले इस आयोग का हिस्सा नहीं होंगे। हालंकि डीओजीई से बाहर होने की वजह ट्रंप की नाराजगी बताया जा रहा है। दोनों में मतभेद की बातें आ रही थी। रामास्वामी कंजर्वेटिव से सोशल मीडिया पर एच–1बी वीजा को लेकर उलझ रहे थे और यह बात ट्रंप को पसंद नहीं आई थी।

विवेक रामास्वामी ने एच1बी वीजा को लेकर क्या कहा

विवेक रामास्वामी ने दिसंबर में वर्तमान एच1–बी प्रक्रिया की फिर से आलोचना की थी, इसे ब्रोकन लॉटरी सिस्टम बताया था। इसकी तुलना दासता तक से कर दी थी। रामास्वामी ने दिसंबर के महीने में ट्वीट किया था कि मैं लंबे समय से कहता आ रहा हूं कि मौजूदा एच–1बी प्रणाली खराब हो गई है और इसे खत्म करने की जरूरत है। उन्होंने लॉटरी–आधारित प्रणाली को योग्यता–संचालित दृष्टिकोण से बदलने का प्रस्ताव दिया, और जोर देकर कहा कि इसे सर्वश्रेष्ठ में से सर्वश्रेष्ठ के चयन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि टेक कंपनियां विदेशी कर्मचारियों को इसलिए नियुक्त करती हैं क्योंकि देश में उत्कृष्टता की अपेक्षा सामान्यता को ज्यादा महत्व दिया जाता है। एच1–बी वीजा प्रणाली पर भारतीय–अमेरिकी नेता की टिप्पणियों पर रिपब्लिकन हलकों में नाराजगी बढ़ रही थी। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क के करीबी सूत्रों ने नाम न छापने की शर्त पर पोलिटिको को बताया कि पिछले महीने ट्रम्प की चुनाव जीत के बाद देश में एच1–बी वीजा प्रणाली की आलोचना करने वाले ट्वीट्स की भरमार के कारण परेशान टेस्ला सीईओ रामास्वामी को बाहर करना चाहते थे।

डीओजीई है क्या

ट्रंप को और सरकार के सभी मंत्रालय तथा उनके कार्यालयों को ये विभाग सलाह देगा जिससे काम में गति आए। ट्रंप का मानना है कि बिजनेसमैन एलन मस्क नई सोच के साथ सरकारी कामकाज में रिफॉर्म पर काम करेंगे। ट्रंप ने इस विभाग का नाम डिपार्टमेंट ऑफ गर्वनमेंट एफिशिएंसी डीओजीई) रखा है।

अब आगे क्या

दरअसल, रिपब्लिकन पार्टी के चायोटेक उद्यमी रामास्वामी ने अगले साल ओहायो के गवर्नर पद के लिए होने वाले चुनाव में उतरने का संकेत दिया है। मंदि रामास्वामी निर्वाचित होते हैं तो वह ओहायों के पहले भारतीय अमेरिकी गवर्नर और अमेरिका में चौथे भारतीय अमेरिकी गवर्नर के रूप में के इतिहास रचेंगे।

चीन–भारत संबंधों को रणनीतिक ऊंचाई और दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए: चीनी विदेश मंत्रालय

बीजिंग, एजेंसी। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक ऊंचाई व दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य' में देखा जाना चाहिए और दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी आम सहमति को लागू करना चाहिए। चीन के विदेश मंत्रालय ने विदेश मंत्री एस जयशंकर की हालिया टिप्पणियों पर यह प्रतिक्रिया दी। जयशंकर ने कहा था कि भारत और चीन 2020 के बाद की सीमा स्थिति से उत्पन्न जटिलताओं से खुद को अलग करने की कोशिश कर रहे हैं और दोनों देशों के बीच संबंधों के दीर्घकालिक विकास पर अधिक विचार किये जाने की आवश्यकता है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां संवाददाताओं से कहा, "हमें द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक ऊंचाई व दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य से देखने की जरूरत है, संबंधों को मधुर और स्थिर विकास की पटरी पर वापस लाने तथा बड़े पड़ोसी देशों के लिए सद्भाव के साथ रहने तथा साथ–साथ विकास करने का सही रास्ता खोजने की जरूरत है।" जयशंकर ने पिछले दशकों में बीजिंग के साथ नयी दिल्ली के संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए 18 जनवरी को मुंबई में नानी पालकीवाला स्मारक व्याख्यान में कहा था कि पिछले नीति–निर्माताओं की "गलत व्याख्या", चाहे वह "आदर्शवाद या व्यावहारिक राजनीति की अनुपस्थिति" से प्रेरित हो, ने चीन के साथ न तो सहयोग और न ही प्रतिस्पर्धा में मदद की है। उन्होंने कहा था कि पिछले दशक में इस रुख में बदलाव आया है और आपसी विश्वास, आपसी सम्मान और आपसी संवेदनशीलता को दोनों पक्षों के बीच संबंधों का आधार बने रहना चाहिए। विदेश मंत्री ने कहा कि संबंधों के दीर्घकालिक विकास पर अधिक विचार किए जाने की आवश्यकता है। गुओ ने जयशंकर की टिप्पणियों पर एक प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि दो प्रमुख सभ्यताओं, विकासशील देशों और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में, चीन और भारत को विकास पर ध्यान केंद्रित करने और सहयोग बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के 2.8 अरब से अधिक लोगों के मौलिक हितों को पूरा करता है, क्षेत्रीय देशों और लोगों की साझा आकांक्षाओं को पूरा करता है, वैश्विक दक्षिण के मजबूत होते ऐतिहासिक रुझान के अनुरूप है तथा इस क्षेत्र और व्यापक विश्व की शांति और समृद्धि के लिए अनुकूल है।

हर किसी को माफी देने के लिए इधर–उधर घूमता शख्स खुद के बारे में भूल गया, पद संभालने के बाद पहले इंटरव्यू में ट्रंप के निशाने पर रहे बाइडेन

दूसरी बार अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद अपने पहले साक्षात्कार में डोनाल्ड ट्रम्प ने जो बाइडेन को चेतावनी जारी करते हुए कहा कि उनके पूर्ववर्ती ने खुद को पूर्व–खाली माफी नहीं दी थी जो उन्हें किसी भी कार्रवाई के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करेगी। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज से बात करते हुए कहा कि यह आदमी हर किसी को माफ़ी देता रहा और आप जानते हैं, मज़ेदार बात, शायद दुखद बात यह है कि उसने खुद को माफ़ी नहीं दी। यदि आप इसे देखें, तो यह सब उससे संबंधित था। कार्यालय में अपने अंतिम दिनों के दौरान, बाइडेन ने अपने सगे संबंधियों के लिए अग्रिम क्षमादान जारी करते हुए कहा था कि उन्हें अनिवार्य हमलों और धमकियों का सामना किया गया था, जो केवल मुझे चोट पहुँचाने की इच्छा से प्रेरित थे। गौरतलब है कि 20 जनवरी को अमेरिका में सत्ता परिवर्तन होने वाला था और अपने कार्यकाल के अंतिम दिनों का इस्तेमाल बाइडेन ने कैदियों की सजा में छूट और माफी देने के लिए किया था। बड़े पैमाने पर इस तरह के क्षमादान और सजा की अवधि कम कर बाइडन ने एक रिकॉर्ड बनाया था। बाइडन ने एक बयान में कहा कि यह कार्रवाई ऐतिहासिक गलतियों को सुधारने, सजा की असमानताओं को ठीक करने और योग्य व्यक्तियों को सलाखों के पीछे बहुत अधिक समय बिताने के बाद अपने परिवारों और समुदायों में लौटने का अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।"

व्हाइट हाउस ने सजा में छूट

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।